Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...
रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011
संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर
निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 64 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, शनिवार 10 जनवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के साकेत कोर्ट में हड़कंप, टॉप फ्लोर से कूदकर क्लर्क ने की खुदकुशी; सुसाइड नोट में बयां किया दर्द

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के साकेत कोर्ट परिसर में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब वहां तैनात एक कर्मचारी ने इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। दिनदहाड़े हुई इस घटना से कोर्ट परिसर में मौजूद वकीलों, जजों और पक्षकारों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। मृतक की पहचान हरीश सिंह के रूप में हुई है, जो साकेत कोर्ट में ही अहलमद (क्लर्क) के पद पर कार्यरत थे और अदालती रिकॉर्ड्स के रखरखाव में जजों की सहायता करते थे। बताया जा रहा है कि हरीश सिंह 60 प्रतिशत दिव्यांग थे।

घटना के तुरंत बाद पुलिस और कोर्ट के अन्य कर्मचारी मौके पर दौड़े, लेकिन ऊंचाई से गिरने के कारण हरीश सिंह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो चुकी थी। पुलिस ने शव के पास से एक सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसने इस आत्महत्या के पीछे की वजहों को साफ कर दिया है। जानकारी के मुताबिक, सुसाइड नोट में हरीश ने 'काम के अत्यधिक दबाव' को अपनी मौत का कारण बताया है। हालांकि, उन्होंने अपने इस कदम के लिए किसी अधिकारी या व्यक्ति विशेष को सीधे तौर पर जिम्मेदार नहीं ठहराया है। इस दुखद घटना के चलते कोर्ट की कार्यवाही भी कुछ समय के लिए बाधित रही।

दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और बरामद सुसाइड नोट को फॉरेंसिक विश्लेषण के लिए भेज दिया गया है। पुलिस की टीम मृतक के सहकर्मियों से पूछताछ कर रही है ताकि यह समझा जा सके कि उन पर काम का किस तरह का दबाव था। सहकर्मियों ने हरीश को एक बेहद मेहनती कर्मचारी बताया, लेकिन यह भी स्वीकार किया कि वे काम के भारी बोझ से ग्रस्त थे। इस घटना ने एक बार फिर अदालती कर्मचारियों के मानसिक स्वास्थ्य और वर्कलोड मैनेजमेंट पर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस इसे तनाव के कारण की गई आत्महत्या मानकर मामले की हर एंगल से छानबीन कर रही है।

थलपति विजय की 'जन नायकन' को मद्रास हाई कोर्ट से राहत, सीबीएफसी को दिया 'यूए' सर्टिफिकेट देने का आदेश

मुंबई। साउथ सुपरस्टार थलपति विजय की फिल्म 'जन नायकन' लंबे समय से चर्चा में रही है। यह फिल्म उनकी आखिरी बड़ी फिल्म मानी जा रही है, क्योंकि इसके बाद विजय पूरी तरह से तमिलनाडु की राजनीति में सक्रिय होने वाले हैं। फिल्म 9 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन सेंसर सर्टिफिकेट नहीं मिलने के कारण इसे टाल दिया गया। फिल्म की एडवांस बुकिंग पहले ही शुरू हो चुकी थी और टिकटों की भारी मांग थी। अब इसको लेकर मद्रास हाई कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि चेयरपर्सन का फिल्म को रिव्यू कमेटी के पास भेजने का अधिकार अवैध था। कोर्ट के अनुसार, जब चेयरपर्सन ने समिति की ओर से कहा था कि यूए सर्टिफिकेट कट के बाद जारी किया जाएगा, तब उनका यह अधिकार स्वतः समाप्त हो गया था। अदालत ने निर्देश दिया कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड तुरंत 'जन नायकन' फिल्म के लिए यूए सर्टिफिकेट जारी करे। 'जन नायकन' के सर्टिफिकेशन का मामला तब और विवादों में आ गया, जब केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के एक सदस्य ने चेयरपर्सन को शिकायत भेजी। इसमें कहा गया कि फिल्म को यूए सर्टिफिकेट देने से पहले उनकी आपत्तियों पर ध्यान नहीं दिया गया। इस शिकायत के बाद सीबीएफसी ने फिल्म को रिवाइजिंग कमेटी के पास भेज दिया। यही कारण रहा कि फिल्म की रिलीज लगातार टलती रही। इसके चलते निर्माताओं को मद्रास हाई कोर्ट का रुख करना पड़ा। फिल्म निर्माता ने कोर्ट में दलील दी कि फिल्म अभी तक रिलीज नहीं हुई थी और न ही इसे किसी तीसरे पक्ष को दिखाया गया है। इसलिए किसी शिकायत के आधार पर सर्टिफिकेट रोकना मनमाना और अनुचित है। निर्माताओं ने कोर्ट से तुरंत सर्टिफिकेट जारी करने का आदेश देने की मांग की थी, ताकि फिल्म बिना और देरी के रिलीज हो सके। 'जन नायकन' के निर्माताओं ने फिल्म केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के चेन्नई कार्यालय में जमा की थी।

36 नक्सलियों पर घोषित था एक करोड़ से ज्यादा का इनाम

64 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में 63 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। इनमें 18 महिला नक्सली भी शामिल है। कुल 36 नक्सलियों पर 1 करोड़ 19 लाख रुपए से ज्यादा का इनाम घोषित है। इनमें नक्सली दंपती 8-8 लाख रुपए के इनामी हैं। ये सारे नक्सली पिछले कई सालों से नक्सल संगठन के साथ जुड़कर काम कर रहे थे। वहीं अब इन्होंने नक्सल हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है और दंतेवाड़ा पुलिस के सामने पहुंचकर हथियार डाल दिए हैं।

सरेंडर करने वाले इन नक्सलियों में 7 नक्सलियों पर 8-8 लाख रुपए का इनाम घोषित है। जबकि, 7 नक्सलियों पर 5 लाख, 8 पर 2 लाख, 11 नक्सलियों पर 1 लाख और 50 हजार रुपए के 3 इनामी नक्सली शामिल हैं।

सरेंडर करने वाले नक्सलियों में कालाहांडी और पश्चिम बस्तर के प्रमुख शामिल है। सरेंडर करने वाले इन नक्सलियों में कालाहांडी एरिया कमेटी सचिव, पश्चिम बस्तर डिवीजन **DVCM, ACM** जैसे बड़े कैडर्स के नक्सली शामिल हैं। ये सारे नक्सली पिछले कई सालों से माओवाद संगठन के साथ जुड़कर काम कर रहे थे। अब हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है और सरेंडर कर दिए हैं।

दंतेवाड़ा के एसपी गौरव राय ने कहा कि, सरकार की पुनर्वास नीति के तहत इन सभी नक्सलियों ने हिंसा का रास्ता छोड़ा और मुख्य धारा में लौट आए हैं। नक्सल संगठन में पिछले कई सालों तक ये सक्रिय रहे हैं। एंबुश लगाना, रेकी करना, जवानों पर हमला जैसी कई वारदातों में ये शामिल रहे हैं।

31 मार्च 2026 है नक्सल मुक्त बस्तर बनाने की डेडलाइन

बस्तर में नक्सलवाद खत्म करने का काउंटडाउन शुरू हो गया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने 31 मार्च 2026 तक नक्सल मुक्त बस्तर बनाने की डेडलाइन तय की है। अब इस तारीख तक सिर्फ 90 दिन बचे हैं। 2025 में नक्सलवाद पर बड़ा अभियान चलाया गया। पिछले 40 वर्षों से बस्तर में सक्रिय नक्सलियों का प्रभाव अब लगभग समाप्त हो गया है। डेढ़ साल में कुल 23 बड़े नक्सली मारे गए हैं। इनमें सबसे खूंखार नक्सली माड़वी हिड़मा, नक्सल संगठन सचिव बसवाराजू, गणेश उइके सहित 16 बड़े नक्सली शामिल हैं। भूपति, रूपेश और रामधेर जैसे बड़े नक्सलियों ने अपने सैकड़ों साथियों के साथ हथियार डाल दिए हैं।

अब केवल पोलित ब्यूरो मेंबर देवजी, मिशिर बेसरा और गणपति तीन शीर्ष नक्सली बचे हैं, जो संगठन चला रहे हैं। बस्तर में पापाराव और देवा अपनी जान बचाने के लिए अब भी जंगल में घूम रहे हैं। पुलिस इनकी तलाश कर रही है।

नक्सल संगठन में बस्तर के अलग-अलग इलाकों में करीब 200 से 300 आर्म कैडर के नक्सली ही बचे हुए हैं, जो टुकड़ों में यहां-वहां छिपे हुए हैं। नक्सलियों का महाराष्ट्र-मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ (रूस्न्ष्ट) जोन पूरी तरह से खत्म हो गया है। उत्तर बस्तर और माड़ डिवीजन से भी नक्सलियों का लगभग सफाया हो गया है।

पंजाब की महिला आईपीएस को बड़ी राहत

तरनतारन उपचुनाव में सस्पेंड हुई डॉ. रवजोत कौर ग्रेवाल बहाल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब कैडर की महिला आईपीएस अधिकारी डॉ. रवजोत कौर ग्रेवाल को बड़ी राहत मिली है। तरनतारन विधानसभा उपचुनाव के दौरान आदर्श चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों में घिरीं डॉ. ग्रेवाल का निलंबन रद्द कर दिया गया है। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने और मामले की विस्तृत समीक्षा के बाद, भारत निर्वाचन आयोग ने उनकी सेवाओं को तत्काल प्रभाव से बहाल करने के आदेश जारी किए हैं। आयोग से हरी झंडी मिलने के बाद पंजाब सरकार ने भी उन्हें पुनः विभाग में शामिल करने और नई प्रशासनिक जिम्मेदारी सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

गौरतलब है कि उपचुनाव के दौरान डॉ. रवजोत कौर तरनतारन जिले में महत्वपूर्ण पद पर तैनात थीं और जिले की सुरक्षा व्यवस्था संभाल रही थीं। उस समय चुनाव आयोग को उनकी भूमिका को लेकर कुछ राजनीतिक और अन्य शिकायतें मिली थीं। इन शिकायतों में आरोप लगाया गया था कि वे चुनाव आचार संहिता का पालन नहीं कर रही हैं और उनकी कार्यशैली चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है। इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए आयोग ने निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित करने के लिए उन्हें उस समय निलंबित कर दिया था।

चुनाव संपन्न होने के बाद जब मामले की आंतरिक जांच और समीक्षा की गई, तो पाया गया कि परिस्थितियां उतनी गंभीर नहीं थीं, जितनी शिकायतों में चित्रित की गई थीं। जांच के बाद आयोग ने संतुष्टि जताते हुए उनकी निलंबन अवधि को समाप्त करने का फैसला लिया। इसके बाद आयोग ने पंजाब सरकार को डॉ. ग्रेवाल की बहाली के निर्देश दिए। अब जल्द ही उन्हें राज्य में नई पोस्टिंग मिलने की उम्मीद है।

लैंड फॉर जॉब केस में लालू परिवार की मुश्किलें बढ़ीं, कोर्ट ने आरोप तय किए; 40 पर चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लैंड फॉर जॉब केस में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव और उनके परिवार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले में लालू परिवार समेत 40 आरोपियों पर आरोप तय कर दिए हैं। अब इन सभी के खिलाफ मुकदमा चलेगा। वहीं, कोर्ट ने 52 आरोपियों को बरी कर दिया है।

शुक्रवार को हुई सुनवाई के दौरान लालू यादव की बड़ी बेटी और सांसद मीसा भारती तथा बेटे तेजप्रताप यादव दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा दर्ज किया गया है। कोर्ट ने लालू प्रसाद यादव पर भ्रष्टाचार के आरोप तय किए हैं। इसके साथ ही भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत अन्य अपराधों के भी आरोप लगाए गए हैं। वहीं, उनके परिवार के सदस्यों पर धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश रचने के आरोप तय किए गए हैं। कोर्ट ने उपलब्ध सबूतों के आधार पर यह माना है कि लालू यादव के खिलाफ लगाए गए आरोपों में प्रथम दृष्टया दम है। इसी आधार पर अब मामले का ट्रायल चलेगा।

राम मंदिर और आसपास के क्षेत्र में अब नॉनवेज की नहीं होगी डिलीवरी, प्रशासन ने पूरी तरह लगाई रोक

अयोध्या (एजेंसी)। यूपी के अयोध्या में राम मंदिर और पंचकोसी परिक्रमा मार्ग की परिधि के भीतर नॉनवेज खाद्य पदार्थों की बिक्री पर प्रशासन ने पूरी तरह से रोक लगा दी है। यह प्रतिबंध अब केवल होटल, ढाबे और दुकानों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि ऑनलाइन खाना डिलीवरी करने वाली कंपनियों पर भी लागू होगा। प्रशासन ने इस संबंध में होटल संचालकों, दुकानदारों, गेस्ट हाउस, होम-स्टे और ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों को आदेश से अवगत करा दिया है। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। सहायक खाद्य आयुक्त मानिक चंद्र सिंह ने बताया कि राम मंदिर और उसके आसपास के क्षेत्रों में नॉनवेज की बिक्री पर पहले से ही प्रतिबंध है, लेकिन कुछ होटल, गेस्ट हाउस और होम-स्टे इसका पालन नहीं कर रहे थे। शिकायतें मिली थी कि पर्यटकों को ऑनलाइन माध्यम से नॉनवेज भोजन मंगाकर परोसा जा रहा है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने अब राम मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में ऑनलाइन नॉनवेज डिलीवरी पर भी रोक लगा दी है। सभी संबंधित प्रतिष्ठानों और ऑनलाइन डिलीवरी कंपनियों को इस आदेश की जानकारी दे दी गई है।

सॉफ्टवेयर कोडिंग छोड़ सड़कों पर झाड़ू लगा रहा भारतीय इंजीनियर, 1 लाख रुपये है सैलरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में सॉफ्टवेयर इंजीनियर की नौकरी को जहां रूतबे और मोटी कमाई का जरिया माना जाता है, वहीं रूस से आई एक खबर ने सबको चौंका दिया है। यहां एक भारतीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर कोडिंग छोड़कर सड़कों पर झाड़ू लगाने का काम कर रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस काम के बदले उसे हर महीने करीब 1 लाख रुपये की सैलरी मिल रही है, जो भारत में कई इंजीनियरों की शुरुआती सैलरी से भी ज्यादा है। 26 साल के मुकेश मंडल इन दिनों रूस के सेंट पीटर्सबर्ग शहर में सफाईकर्मी के तौर पर तैनात हैं। मुकेश का बैकग्राउंड एक सॉफ्टवेयर डेवलपर का है और दावा

किया गया है कि उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज टेक कंपनियों के साथ भी (डायरेक्ट या थर्ड पार्टी वेंडर के जरिए) काम किया है। कंप्यूटर की कीबोर्ड पर उंगलियां चलाने वाले हाथ अब रूस की सर्द सड़कों की सफाई कर रहे हैं।

सिर्फ मुकेश ही नहीं, आर्किटेक्ट और वेडिंग प्लानर भी शामिल

रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि मुकेश अकेले नहीं हैं, बल्कि करीब 17 भारतीयों का एक समूह वहां सड़क सफाई का काम कर रहा है। ये सभी लोग लगभग चार महीने पहले रूस पहुंचे थे। इस ग्रुप में शामिल लोग भारत में अलग-अलग प्रोफेशन से जुड़े थे—कोई वेडिंग प्लानर था, कोई ड्राइवर तो कोई आर्किटेक्ट। रूस में इन दिनों मजदूरों और कामगारों की भारी किल्लत (स्नुड्डश्वह्न स्न्ध्रश्वह्लह्लड्डद्दद्ग) चल रही है। इसी कमी को पूरा करने के लिए रूसी कंपनियां विदेशों से लोगों को बुला रही हैं। सेंट पीटर्सबर्ग की जिस कंपनी ने इन भारतीयों को नौकरी दी है, वह उन्हें सैलरी के अलावा रहने, खाने और सुरक्षा की सुविधाएं भी मुहैया करा रही है। इन लोगों को महीने का करीब 1 लाख से 1.1 लाख रुपये मिल रहा है, जो मौजूदा ग्लोबल जॉब मार्केट की अनिश्चितता के बीच एक आकर्षक रकम है।

मुकेश मंडल का कहना है कि उन्होंने यह काम मजबूरी में नहीं, बल्कि एक रणनीति के तहत अस्थायी तौर पर चुना है। उनका मकसद यहां कुछ समय काम करके अच्छे पैसे बचाना है, जिसके बाद वे भारत लौट जाएंगे।

45 यात्री थे सवार

सिरमौर के हरिपुरधार में बस दुर्घटनाग्रस्त, हादसे में 12 लोगों की मौत

नाहन (एजेंसी)। सिरमौर जिले के हरिपुरधार में निजी बस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घायलों को घटनास्थल से निकाला जा रहा है। वहीं बचाव कार्य तेजी से चलाया जा रहा है। ये बस कुपवी से शिमला जा रही थी। जो हरिपुरधार के पास 50 मीटर गहरी खाई में गिर गई। जानकारी के अनुसार बस में 45 लोग सवार थे।

स्थानीय लोग हादसे में घायलों को बाहर सड़क तक लेकर आ रहे हैं। घटना के बाद मौके पर चीखों पुकार मची है। हादसा इतना भयानक था कि बस के परखच्चे उड़ गए हैं। एसपी सिरमौर, निश्चिंत सिंह नेगी ने कहा कि सिरमौर जिले में हरिपुरधार के पास कुपवी से शिमला जा रही एक प्राइवेट बस के सड़क से नीचे गिरने से हुए हादसे में नौ लोगों की मौत हो गई। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। बस में 30-35 लोग सवार थे। और जानकारी का इंतजार है। मैं मौके पर जा रहा हूं। पुलिस और

दूसरी बचाव टीमें घायलों को निकालने की कोशिश कर रही हैं।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान ने जताया शोक

सिरमौर जिले के हरिपुरधार में शुक्रवार दोपहर बाद एक निजी बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 12 लोगों की मौत हो गई। जबकि कई घायल हो गए। घटना के बाद राहत बचाव कार्य जारी है। गंभीर रूप से घायल पांच मरीजों को उपचार के लिए हायर संगड़ाह, ददाहू और नाहन लाया जा रहा है। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। उधर, उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान दुर्घटना पर सरकार की ओर से शोक जताया है। उन्होंने मेडिकल कॉलेज नाहन में गंभीर रूप से लाए जा रहे मरीजों के उपचार के लेकर उचित व्यवस्था के निर्देश दिए। कुछ लोग राजगढ़, व ददाहू में रेफर किए गए हैं। मेडिकल कालेज में तैयारियां उपचार के लिए पूरी कर दी हैं।

बस हादसे पर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष विनय कुमार ने जताया दुख

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष विनय कुमार ने कहा कि हरिपुरधार में बस दुर्घटना की अत्यंत दुखद खबर प्राप्त हुई है। इस हृदयविदारक घटना ने मुझे भीतर तक झकझोर दिया है। इस दुख की घड़ी में उन्होंने अपने आगामी सभी कार्यक्रम तत्काल प्रभाव से रद्द करने का निर्णय लिया है। वह इस समय पालमपुर से हरिपुरधार के लिए रवाना हो रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि कठिन समय में हम सभी का कर्तव्य है कि एकजुट होकर मानवता के नाते अपना दायित्व निभाएं।

मुख्यमंत्री सुक्खू ने बस दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि पर गहरा शोक किया व्यक्त

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने शुक्रवार को सिरमौर जिले के हरिपुरधार के पास एक निजी बस दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि पर गहरा शोक व्यक्त किया। दुर्भाग्यपूर्ण बस शिमला से राजगढ़ होते हुए कुपवी जा रही थी, तभी वह सड़क से उतरकर एक गहरी खाई में गिर गई। मुख्यमंत्री ने जिला अधिकारियों को मृतकों के परिजनों को हर संभव सहायता प्रदान करने और घायलों को सर्वोत्तम चिकित्सा सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया तथा उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'सिरमौर जिले के हरिपुरधार में एक निजी बस के गहरी खाई में उतरने से 12 लोगों के निधन एवं कई यात्रियों के घायल होने का समाचार अत्यंत पीड़ादायक है। हादसे में मारे गए लोगों को ईश्वर अपने श्रीचरणों में स्थान दे एवं शोकाकुल परिवारों को अपार दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। प्रशासन राहत कार्यों के लिए मौके पर पहुँच चुका है। ? शांति।'

नासा का बड़ा फैसला, बीमार एस्ट्रोनॉट के चलते समय से पहले धरती पर लौटेगी 4 सदस्यों की टीम

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक बेहद दुर्लभ और महत्वपूर्ण फैसला लेते हुए अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर चल रहे अपने एक मिशन को बीच में ही समाप्त करने का ऐलान किया है। एजेंसी ने यह निर्णय एक अंतरिक्ष यात्री की अचानक सामने आई स्वास्थ्य संबंधी समस्या को देखते हुए लिया है। नासा द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक, अमेरिका, जापान और रूस के चार अंतरिक्ष यात्रियों की टीम अब अपने तय कार्यक्रम से पहले, अगले कुछ दिनों के भीतर ही पृथ्वी पर वापस लौट आएगी। इस अनपेक्षित स्वास्थ्य आपातकाल के चलते नासा को नए साल की पहली प्रस्तावित स्पेसवॉक भी रद्द करनी पड़ी है।

नासा ने मरीज की निजता का हवाला देते हुए बीमार अंतरिक्ष यात्री की पहचान या उसकी बीमारी के विवरण को सार्वजनिक नहीं किया है। हालांकि, एजेंसी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अंतरिक्ष यात्री की हालत फिलहाल स्थिर है। नासा के मुख्य स्वास्थ्य और चिकित्सा अधिकारी डॉ. जेम्स पोल्क ने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि यह कोई तत्काल जानलेवा आपात स्थिति नहीं है, लेकिन वे क्रू की सुरक्षा के लिए पूरी सतर्कता बरत रहे हैं। उन्होंने बताया कि यह नासा के इतिहास में अंतरिक्ष स्टेशन से पहला 'मेडिकल एग्जिट' होगा। इससे पहले दांत दर्द या कान दर्द जैसी छोटी समस्याओं का इलाज स्टेशन पर मौजूद सुविधाओं से ही कर लिया जाता था।

पृथ्वी पर वापस लौट रही यह चार सदस्यीय टीम स्पेसएक्स के यान से बीते अगस्त महीने में अंतरिक्ष स्टेशन पहुंची थी। पूर्व निर्धारित योजना के अनुसार, इन्हें वहां कम से कम छह महीने बिताना था, लेकिन अब मेडिकल कारणों से यह मिशन छोटा कर दिया गया है। वापसी करने वाली टीम में नासा के जीना कार्डमैन और माइक फिंके, जापान के किमिया युई तथा रूस के ओलेग प्लातोनोव शामिल हैं।

VB G-RAM-G के तहत मिलेगा रोजगार, बनेगा भारत सशक्त - रूप कुमारी चौधरी

सारँगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। जिला भाजपा कार्यालय में प्रेस वार्ता आयोजित किया गया महासमुंद सांसद रूप कुमारी चौधरी ने प्रेस को सम्बोधित किया जिसमें सारँगढ़ - सारँगढ़ बिलाईगढ़ जिला भाजपा कार्यलय में प्रेस वार्ता आयोजित किया गया हर गरीब को रोजगार मिले और उसकी गरिमा का सम्मान हो। गरीब, जनजाति और पिछड़ा को रोजगार मिले, उसके लिए यह क़ानून आया है। 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय विजन के अनुरूप ग्रामीण विकास का नया ढांचा तैयार करना है। यह पूरा बिल महात्मा गांधी जी की भावना के अनुरूप है और राम राज्य की स्थापना के लिए लाया जा रहा है।

आखिर कांग्रेस और इंडी गठबंधन को विकसित भारत और भगवान् राम के नाम से इतनी नफ्रत क्यों है? कांग्रेस कितनी भी साजिश रच ले, देश 2047 तक 'विकसित भारत' बन कर रहेगा। नई योजना में काम के दिन ज्यादा होंगे तो साथ ही मजदूरों को पारिश्रमिक भी जल्दी मिलेगा। हर ग्रामीण परिवार को हर साल 125 दिन के रोजगार की गारंटी मिलेगी। वन क्षेत्र में काम करने वाले स्ज्ञ कामगारों को 25 दिन का रोजगार और अधिक मिलेगा।

मनरेगा पर सबसे अधिक खर्च मोदी सरकार ने किया है। मनरेगा पर

अब तक 11.74 लाख करोड़ रुपये खर्च हुए जिसमें मोदी सरकार ने 8.53 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

रोजगार योजना का नाम पहले से महात्मा गाँधी जी के नाम पर नहीं था। 1980 में इंदिरा गांधी ने सभी पुरानी रोजगार योजनाओं को मिला कर राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम योजना का नाम दिया जिसे राजीव गाँधी ने जवाहर रोजगार योजना का नाम दे दिया। सोनिया-मनमोहन की सरकार ने 2004 में इसे हक्रश्वन्न कर दिया गया जिसे फिर 2005 में स्ह्रक्रश्वन्न किया गया। कांग्रेस की सरकार ने जब जवाहर रोजगार योजना का नाम बदला था तो क्या यह पंडित जवाहरलाल नेहरू का अपमान नहीं था?

इसी तरह, आवास योजना का नाम पहले ग्रामीण आवास योजना था, राजीव गांधी ने 1985 में इसका नाम बदल कर इंदिरा आवास योजना कर दिया था। अप्रैल 2005 में कांग्रेस सरकार ने ग्रामीण विद्युतीकरण योजना को राजीव गांधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना कर दिया। हर योजना में इन्होंने गाँधी (एक परिवार) -नेहरू के नाम जबरन डाले। मोदी सरकार में नाम नहीं, काम बोलता है।

2005 में मनरेगा शुरू हुई लेकिन अब ग्रामीण भारत बदल गया है। 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7त्न से घटकर 2023-24 में 4.86त्न रह गई। साथ ही, कनेक्टिविटी में सुधार हुआ है और आजीविका में विविधता आई है। पुराना ओपन-एंडेड मॉडल अब आज की ग्रामीण अर्थव्यवस्था से मेल नहीं खाता। 2005 में हमारी ज़रूरतें अलग थीं, अब हमारी ज़रूरतें अलग हैं इसलिए इस ग्रामीण रोजगार योजना को 2025 की आवश्यकताओं के साथ पुन: व्यवस्थित करना आवश्यक था।

राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम अंतर्गत 33 चालानी कार्रवाई

महासमुंद (समय दर्शन)। राष्ट्रीय तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जिला स्तर पर तम्बाकू नियंत्रण को लेकर कार्रवाई की गई।

यह कार्रवाई मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आई. नागेश्वर राव के निर्देशन एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती नीलू घृतलहरे के मार्गदर्शन तथा जिला नोडल अधिकारी एनटीसीपी डॉ. छत्रपाल चंद्राकर के सहयोग से की गई।

संयुक्त प्रवर्तन दल द्वारा जिला चिकित्सालय खरोरा के समीप स्थित तम्बाकू विक्रय करने वाली दुकानों के साथ-साथ पिटियाझर एवं कुम्हारपारा क्षेत्र में शैक्षणिक संस्थानों के आसपास स्थित दुकानों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने कोटपा एक्ट 2003 (सिगरेट एवं अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम, 2003) के तहत कार्रवाई की। औषधि निरीक्षक श्रीमती प्रियंका दीवान द्वारा कोटपा एक्ट 2003 की धारा 04 (सार्वजनिक स्थानों में धूम्रपान पर प्रतिबंध), धारा 06(अ) (नाबालिगों को तम्बाकू उत्पाद की बिक्री एवं उपयोग पर प्रतिबंध) तथा धारा 06(ब) (शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज के दायरे में तम्बाकू उत्पाद की बिक्री पर प्रतिबंध) के उल्लंघन पर कुल 33 चालान काटे गए। कार्रवाई के दौरान पुलिस विभाग से आरक्षक हेमलाल निषाद का विशेष सहयोग रहा।

मृत व्यक्ति के नाम पर 5 वर्षों तक सरकारी राशन की बंदरबांट

जिला जनदर्शन में शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं, अब मुख्यमंत्री जनदर्शन पहुँचा मामला

मुंगेली(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले में सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े एक गंभीर और चौंकाने वाले घोटाले का खुलासा हुआ है, जहाँ एक मृत महिला के नाम पर विगत लगभग पाँच से छह वर्षों तक सरकारी राशन का आहरण किया जाता रहा। इस मामले में जिला प्रशासन की कथित उदासीनता और समय पर सख्त कार्रवाई न होने के कारण अब शिकायतकर्ता को मुख्यमंत्री जनदर्शन का रुख करना पड़ा है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए आरटीआई कार्यकर्ता एवं पत्रकार खेमेश्वर पुरी गोस्वामी ने मुख्यमंत्री जनदर्शन में लिखित ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज करने, अवैध रूप से निकाले गए राशन की वसूली तथा जिम्मेदार अधिकारियों पर भी कार्रवाई की मांग की है।2019 में हुई थी मृत्यु, फिर भी वर्षों तक उठता रहा राशन

शिकायत के अनुसार, राशन कार्ड क्रमांक 226476454326 की मूल हितग्राही श्रीमती बुधवरिया की मृत्यु 17 नवंबर 2019 को हो चुकी थी। नियमों के अनुसार, मृत्यु उपरांत राशन कार्ड को निरस्त अथवा संशोधित किया जाना अनिवार्य होता है, किंतु इस प्रकरण में न केवल कार्ड को सक्रिय रखा गया, बल्कि आरोप है कि मृत्यु के लगभग पाँच माह बाद कूटरचित एवं फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से उनके नाती शिवकुमार साहू द्वारा अपने नाबालिग पुत्र देवदत्त का नाम राशन कार्ड में जोड़ दिया गया।

इसके पश्चात वर्षों तक उक्त कार्ड के माध्यम से सरकारी अनाज का नियमित रूप से आहरण किया जाता रहा, जिससे शासन को आर्थिक क्षति पहुँची और वास्तविक पात्र हितग्राहियों के अधिकारों का हनन हुआ।

जिला प्रशासन की भूमिका पर गंभीर सवाल

शिकायतकर्ता खेमेश्वर पुरी गोस्वामी ने बताया कि इस गंभीर अनियमितता की जानकारी उन्होंने अप्रैल 2025, सितंबर 2025 एवं दिसंबर 2025 में लिखित रूप से मुंगेली जिला कलेक्टर जनदर्शन में प्रस्तुत की थी।

इसके बावजूद न तो कोई प्राथमिकी दर्ज की गई और न ही संबंधित खाद्य विभाग अथवा राशन दुकान संचालक के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई की गई।

प्रशासनिक निष्क्रियता को लेकर सवाल उठाते हुए शिकायतकर्ता का कहना है कि मृत व्यक्ति के नाम पर वर्षों तक राशन उठना केवल लाभार्थी की गलती नहीं हो सकती। इसमें राशन दुकान संचालक, खाद्य निरीक्षक एवं संबंधित विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत की आशंका है।

भारतीय न्याय संहिता के तहत गंभीर अपराध

शिकायतकर्ता ने अपने आवेदन में इस पूरे प्रकरण को भारतीय न्याय संहिता (क्चहृस्) की धारा 316, 318 एवं 336 के अंतर्गत गंभीर आपराधिक कृत्य बताया है। उन्होंने मांग की है कि— 24 घंटे के भीतर उच्चस्तरीय जांच प्रारंभ की जाए, दोषियों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए, अवैध रूप से आहरित राशन की राशि की वसूली की जाए, दोषी पाए जाने वाले शासकीय कर्मचारियों पर विभागीय एवं दंडात्मक कार्रवाई की जाए, शिकायतकर्ता ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं होती है, तो वे उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने के लिए बाध्य होंगे।

सात दिवसीय माता परमेश्वरी महोत्सव के पांचवे दिन परमेश्वरी पुराण कथा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

कथावाचक भूपेंद्र देवांगन ने माता के तीन दिव्य स्वरूपों बड़की मंझली, छोटकी माता के बारे विस्तार से किया वर्णन

मुंगेली(समय दर्शन)। देवांगन समाज मुंगेली के तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय माता परमेश्वरी महोत्सव के अंतर्गत चल रही परमेश्वरी पुराण कथा के पांचवे दिवस भक्तिभाव और आध्यात्मिक वातावरण से सराबोर रहा। इस अवसर पर प्रसिद्ध कथावाचक चन्द्रपुर निवासी भूपेंद्र 'छोटू' देवांगन ने माता परमेश्वरी की पावन गाथा एवं सृष्टि उत्पत्ति की दिव्य कथा का अत्यंत भावपूर्ण और ज्ञानवर्धक वर्णन किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथावाचक भूपेंद्र छोटू देवांगन ने बताया कि ओंकार से ओंकारिणी, ब्रह्म से ब्रह्मेश्वरी तथा परमपिता परमात्मा से माता परमेश्वरी की उत्पत्ति हुई। उन्होंने विस्तार से समझाया कि माता परमेश्वरी केवल शक्ति का प्रतीक ही नहीं, बल्कि संपूर्ण सृष्टि की जननी हैं, जिनकी कृपा से सृष्टि का निर्माण, संचालन और संरक्षण संभव हुआ। कथा में बताया गया कि माता की लीला क्रमश: आगे बढ़ती गई और उन्होंने नवजीवन की रचना कर संसार को गति प्रदान की। कथावाचक ने सृष्टि के आरंभिक काल का वर्णन करते हुए बताया कि सबसे पहले हिडम्ब नामक गणेश की उत्पत्ति हुई। इसके पश्चात सृष्टि संतुलन हेतु ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्राकट्य हुआ। आगे चलकर माता सरस्वती, माता लक्ष्मी और माता पार्वती की उत्पत्ति का वर्णन किया। उन्होंने बताया कि ज्ञान, धन और शक्ति के समन्वय से सृष्टि का संचालन संभव हुआ। परमेश्वरी पुराण कथा के दौरान दीपचंद माता हरिणी की उत्पत्ति की कथा भी सुनाई गई, जिसमें माता के तीन दिव्य स्वरूपों — बड़की मंझली, छोटकी माता कमलावती एवं मछली माता इंद्रावती — का विस्तारपूर्वक वर्णन किया गया। इन कथाओं के माध्यम से माता की करुणा, ममता और सृजनशीलता को उजागर किया गया। इसके साथ ही कथावाचक ने छोटकी माता अंगारमती की कथा भी श्रद्धालुओं को सुनाई। उन्होंने बताया कि माता अंगारमती की विशेष पूजा फागुन मास में की जाती है और उनकी कृपा से प्रकृति में नवचेतना का संचार होता है।

माता अंगारमती के आशीर्वाद से पलाश वृक्ष पर मनमोहक और शुभ मनमोहन पुष्प खिलते हैं, जो प्रकृति की सुंदरता के साथ-साथ शुभता और समृद्धि का प्रतीक माने जाते हैं। पूरी कथा के दौरान माता परमेश्वरी की महिमा, उनकी दिव्य लीला और सृष्टि के निर्माण में उनकी अहम भूमिका को अत्यंत रोचक एवं भावनात्मक ढंग से प्रस्तुत किया गया। कथा श्रवण कर श्रद्धालुओं ने इसे न केवल धार्मिक आस्था से जोड़ा, बल्कि इससे आध्यात्मिक ज्ञान और आत्मिक शांति की अनुभूति भी प्राप्त की। महोत्सव में बड़ी संख्या में देवांगन समाज के लोग एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे। कथा स्थल पर भक्ति संगीत, जयकारों और माता के गुणगान से वातावरण भक्तिमय बना रहा। आयोजन समिति द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु समुचित व्यवस्था की गई थी। यह जानकारी सोशल मीडिया प्रचारक कोमल देवांगन मुंगेलिहा ने दिया।

प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन माता परमेश्वरी महोत्सव में हुए शामिल

छत्तीसगढ़ शासन के श्रम, वाणिज्य, उद्योग एवं आबकारी मंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री लखनलाल देवांगन गुरुवार को मुंगेली प्रवास पर रहे। इस दौरान वे देवांगन समाज द्वारा आयोजित सात दिवसीय माता परमेश्वरी महोत्सव के चौथे दिन आयोजित भव्य कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचते ही मंत्री देवांगन ने माता परमेश्वरी के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की और समाज सहित जिलेवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

पालक-शिक्षक बैठक में दीनानाथ खूंटे ने दिया शैक्षणिक सुधार का मंत्र..

कमजोर विद्यार्थियों पर विशेष ध्यान, पालकों की सक्रिय भूमिका पर दिया जोर..

सारंगढ़ (समय दर्शन)। शासकीय हाई स्कूल पिण्डरी में आयोजित पालकङ्क्षशिक्षक बैठक में शाला विकास एवं प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी जिला सारंगढ़ के जिला उपाध्यक्ष दीनानाथ खूंटे ने छमाही परीक्षा परिणामों की गहन समीक्षा करते हुए शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार पर विशेष बल दिया। उन्होंने परीक्षा परिणामों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जिन विद्यार्थियों का प्रदर्शन अपेक्षा के अनुरूप नहीं रहा है, उनके पालकों से शाला प्रबंधन समिति द्वारा प्रत्यक्ष संपर्क कर मार्गदर्शन दिया जाना चाहिए। दीनानाथ खूंटे ने कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए नियमित विद्यालय उपस्थिति, पढ़ाई के प्रति रुचि और अनुशासन अत्यंत आवश्यक है। यदि पालक और शिक्षक मिलकर प्रयास करें तो आगामी वार्षिक परीक्षा में निश्चित रूप से सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

उन्होंने पालकों से अपील की कि वे घर का वातावरण बच्चों की पढ़ाई के अनुकूल बनाएं, उनकी दिनचर्या पर नजर रखें तथा प्रतिदिन बच्चों से यह जानने का प्रयास करें कि विद्यालय में उन्होंने क्या-क्या सीखा। साथ ही बच्चों की शैक्षणिक प्रगति को लेकर शिक्षकङ्क्षपालक संवाद निरंतर बनाए रखने की आवश्यकता पर भी उन्होंने जोर दिया।

बैठक में दीनानाथ खूंटे के मार्गदर्शन में यह निर्णय लिया गया कि शनिवार के दिन विद्यार्थियों को विभिन्न सह-शैक्षणिक गतिविधियों से जोड़ा जाएगा। साथ ही कक्षा के अनुरूप स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण संबंधी जानकारी, निवास एवं आय प्रमाण पत्र से जुड़े विषयों तथा विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की जानकारी पालकों को दी गई।

पांच दिवसीय एफएन एल प्रशिक्षण में विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए - बीआरसीसी अनिलसिंह

बसना(समय दर्शन)। बसना विकास खण्ड अंतर्गत संकुल केन्द्र जमदरहा मे शिक्षकों का पांच दिवसीय एफ्रएलएन प्रशिक्षण कार्यक्रम जमदरहा में आयोजित किया जा रहा है।

यह प्रशिक्षण निपुण भारत मिशन के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु संचालित है, जिसका मुख्य उद्देश्य कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों में पढ़ने, लिखने एवं गणितीय कौशलों पर आधारित मजबूत नींव तैयार करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के तृतीय दिवस का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस दौरान मास्टर ट्रेनरों द्वारा एफ्रएलएन के चार प्रमुख विषय पठन, लेखन, संख्यात्मक दक्षता एवं भाषा कौशल को सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक रूप से विस्तार से समझाया गया।

मास्टर ट्रेनर सालिक राम टंडन ने पठन विषय अंतर्गत ध्वनि जागरूकता, अक्षर-ज्ञान, प्रवाहपूर्ण वाचन एवं समझ आधारित पठन पर गतिविधि-आधारित प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने बताया कि नियमित पठन अभ्यास बच्चों के भाषा विकास की नींव को सुदृढ़ करता है। मास्टर ट्रेनर डिजेन्द्र कुर्रे ने कहा कि यदि शिक्षक गतिविधि आधारित शिक्षण पद्धतियों को अपनाते हैं, तो बच्चों में पढ़ने, लिखने एवं गणित की नींव मजबूत होती है। उन्होंने शिक्षकों से नवाचार एवं सतत मूल्यांकन पर विशेष ध्यान देने का आग्रह किया।

सीएसी त्रिकांत बाग ने एफ्रएलएन के प्रभावी क्रियान्वयन में शैक्षणिक सहयोग की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एफ्रएलएन केवल एक योजना नहीं, बल्कि बच्चों के भविष्य की आधारशिला है। नियमित अभ्यास, पुनरावृत्ति एवं आनंददायी गतिविधियों से अपेक्षित परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। संकुल समन्वयक आरिफबेग अंकोरी ने कक्षा-कक्ष के व्यावहारिक अनुभव साझा करते हुए कहा कि स्थानीय परिवेश से जुड़े उदाहरण, खेल, समूह कार्य एवं सहपाठी अधिगम बच्चों को सहज रूप से सीखने में सहायक होते हैं। उन्होंने कमजोर बच्चों पर विशेष फोकस करने की आवश्यकता पर जोर दिया। शंकर सिदार ने भाषा एवं गणित शिक्षण के चार ब्लॉकों— पठन, लेखन, संख्याबोध एवं समस्या समाधान—पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि बच्चों की सोच, समझ एवं अभिव्यक्ति को महत्व देने से सीखना स्थायी बनता है। इस अवसर पर विजय घृतलहरे एवं सुरेश नन्द ने कहा कि एफ्रएलएन प्रशिक्षण वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है। यदि बच्चों की नींव मजबूत होगी, तो आगे की शिक्षा स्वत: सशक्त होगी।

बीआरसीसी अनिल सिंह साव ने कहा कि एफ्रएलएन कार्यक्रम केवल एक योजना नहीं, बल्कि शिक्षकों के माध्यम से बच्चों के भविष्य निर्माण की एक सतत प्रक्रिया है। विद्यालय स्तर पर नियमित अभ्यास, मूल्यांकन एवं नवाचार से ही निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी शिक्षकों से प्रशिक्षण को गंभीरता से अपनाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण के दौरान समूह कार्य, रोल प्ले, चर्चा, शिक्षण सहायक सामग्री का प्रयोग, पाठ्यपुस्तक एवं अभ्यास पुस्तिका पर अभ्यास तथा सतत मूल्यांकन की प्रक्रिया पर भी विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया। शिक्षकों ने प्रशिक्षण को अत्यंत उपयोगी, व्यवहारिक एवं कक्षा-कक्ष में सीधे लागू करने योग्य बताया।

इस अवसर पर जमदरहा संकुल केन्द्र के समस्त शिक्षक, सीआरसी सदस्य एवं शैक्षणिक सहयोगी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण से शिक्षकों में उत्साह का संचार हुआ और एफ्रएलएन को विद्यालय स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने का संकल्प लिया गया।

संक्षिप्त-खबर

सारंगढ़ के खेलभांठा मैदान में शनिवार 10 जनवरी को लर्निंग लाइसेंस शिविर

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। सड़क सुरक्षा सप्ताह में यातायात विभाग द्वारा शनिवार 10 जनवरी को सारंगढ़ खेलभांठा मैदान में 10 बजे से 1 बजे तक लर्निंग लाइसेंस कैंप का आयोजन किया जा रहा है, जहां लाइसेंस बनवाने हेतु आवश्यक दस्तावेज आधार कार्ड, स्कूल मार्कशीट, पैन कार्ड,वोटर आईडी कार्ड व फोटो के साथ उपस्थित हो सकते हैं।

बखरूटोला में 10-11 जनवरी को रामायण स्वर मानस सम्मेलन, प्रदेश भर की रामायण मंडलियां होंगी शामिल

छुरिया (समय दर्शन)। आगामी 10 एवं 11 जनवरी को ग्राम बखरूटोला में रामायण स्वर मानस सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। दो दिवसीय इस सम्मेलन में कांकेर, गुंडरदेही, महासमुंद, घटारानी, अहिवारा सहित छत्तीसगढ़ प्रदेश की विभिन्न रामायण मंडलियां भाग लेंगी। रामायण सम्मेलन का यह चौथा वर्ष है, और आयोजकों ने इसे एक भव्य और धार्मिक आयोजन बनाने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

समिति के अध्यक्ष भीषण लाल साहू, सचिव बल्लूराम मंडावी और कोषाध्यक्ष कलेश्वर दास साहू ने बताया कि सम्मेलन का समापन 11 जनवरी, रविवार को शाम को होगा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में किरण रविंद्र वैष्णव, जिला पंचायत अध्यक्ष राजनांदगांव मौजूद रहेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता संजय सिंहा, अध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया करेंगे। एमडी ठाकुर, प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष, चंद्रिका प्रसाद डडसेना, वरिष्ठ भाजपा नेता छुरिया, बीरम बाई मंडावी, सदस्य जिला पंचायत, अजय पटेल, अध्यक्ष जनपद पंचायत छुरिया, कामता प्रसाद साहू, मंडल अध्यक्ष भाजपा छुरिया और अन्य प्रमुख भाजपा नेता इस आयोजन में शामिल होंगे। सम्मेलन का उद्घाटन 10 जनवरी, शनिवार को सुबह 10 बजे से होगा। इस उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि भोलाराम साहू, स्थानीय विधायक होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विपिन यादव-अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी करेंगे। विशेष अतिथियों में छन्नी साहू-पूर्व विधायक खुज्जी, रितेश जैन-अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी छुरिया, राजकुमार सिन्हा-कार्यकारी अध्यक्ष ब्लॉक कांग्रेस कमेटी छुरिया, पुष्पा सिन्हा-मंडल अध्यक्ष, राजकुमारी सिन्हा पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष छुरिया, अनुसुइया ललित आंचले सरपंच ग्राम पंचायत नादियाखुर्द, संजय सिन्हा उप सरपंच ग्राम पंचायत नादिया खुर्द, रूपेंद्र साहू ग्राम पटेल बखरूटोला सहित अन्य कांग्रेस नेता और समाजसेवी मौजूद रहेंगे। इस धार्मिक आयोजन का उद्देश्य प्रदेशवासियों को रामायण के माध्यम से संस्कारों और धार्मिक शिक्षा का प्रचार.प्रसार करना है। आयोजकों ने सभी क्षेत्रवासियों से सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर भाग लेने की अपील की है।

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के तहत स्वरोजगार हेतु ऋण आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम-अजय) के अंतर्गत अनुसूचित जाति वर्ग के युवाओं एवं उद्यमियों को स्वरोजगार से जोड़ने के उद्देश्य से ऋ्रण आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस योजना का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर अनुसूचित जाति वर्ग के लोगों को आत्मनिर्भर बनाना तथा उन्हें छोटे व्यवसाय प्रारंभ करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है। योजना के अंतर्गत बैंक के माध्यम से लघु उद्योग एवं व्यापार के लिए ऋ्रण स्वीकृत किया जाएगा। स्वीकृत ऋ्रण राशि पर 50 प्रतिशत तक अथवा अधिकतम 50,000 रुपये तक का अनुदान प्रदान किए जाने का प्रावधान है, जिससे लाभार्थियों पर ऋ्रण का आर्थिक भार कम हो सके और वे सहजता से अपना व्यवसाय स्थापित कर सकें।

पीएम-अजय योजना के तहत किराना दुकान, भोजनालय, चाय-नाश्ता केंद्र, ब्यूटी पार्लर, सैलून, सिलाई-कढ़ाई, इलेक्ट्रॉनिक एवं विद्युत मरम्मत कार्य, मोबाइल एवं टीवी रिपेयरिंग, पशुपालन, मुर्गीपालन, बकरी पालन, मछली पालन, पौध नर्सरी, एग्रो सर्विस सेंटर सहित अन्य विभिन्न छोटे व्यवसाय प्रारंभ किए जा सकते हैं। यह योजना शहरी एवं ग्रामीण दोनों क्षेत्रों के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित करने में सहायक सिद्ध होगी।

जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति, बेमेतरा के अनुसार आवेदक का अनुसूचित जाति वर्ग का होना अनिवार्य है तथा वह जिले का मूल निवासी होना चाहिए। आवेदक की वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये से अधिक नहीं होनी चाहिए। योजना के अंतर्गत आवेदन करने हेतु आयु सीमा 18 से 50 वर्ष निर्धारित की गई है। इच्छुक एवं पात्र आवेदक कार्यालयीन समय में जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति, बेमेतरा के कार्यालय में आवेदन पत्र जमा कर सकते हैं। योजना से संबंधित अधिक जानकारी एवं मार्गदर्शन के लिए कलेक्ट्रेट संयुक्त कार्यालय परिसर स्थित जिला अंत्यावसायी कार्यालय, कक्ष क्रमांक 82 में संपर्क किया जा सकता है। जिला प्रशासन ने पात्र युवाओं एवं उद्यमियों से इस अवसर का अधिकतम लाभ उठाते हुए स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाने की अपील की है।

मुख्यमंत्री गोवा में आयोजित आदि लोकोत्सव पर्व-2025 में हुए शामिल

लोकसंस्कृति, जनजातीय गौरव और राष्ट्रबोध का संगम बना आदि लोकोत्सव : मुख्यमंत्री साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज गोवा के आदर्श ग्राम अमोन, पोंगुइनिम, गोवा में आयोजित 'आदि लोकोत्सव' पर्व2025 में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने लोकोत्सव को संबोधित करते हुए सभी प्रतिभागियों को बधाई और शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में गोवा के कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. रमेश तावड़कर उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने 'आदि लोकोत्सव' के आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि यह लोकोत्सव देश की आदिम संस्कृति से जुड़ने का एक जीवंत उत्सव है, जो भारत की लोक-सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि भारत गांवों का देश है और गांव हमारी आत्मा हैं। गांवों की संस्कृति ही देश की संस्कृति है, जिसे लोकगीतों, लोकनृत्यों, पारंपरिक वाद्ययंत्रों और परंपराओं के माध्यम से जीवंत रखना अत्यंत आवश्यक है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गोवा सरकार पिछले 25 वर्षों से इस सांस्कृतिक चेतना को जीवित रखने का कार्य कर रही है, जो प्रशंसनीय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले वर्षों में आदि लोकोत्सव और भी भव्य तथा व्यापक स्वरूप में आयोजित होगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने भगवान बिरसा मुंडा को नमन करते हुए कहा कि जनजातीय इतिहास अत्यंत गौरवशाली रहा है। भगवान बिरसा मुंडा ने महज 25 वर्ष की अल्पायु में अंग्रेजों को चुनौती दी और अपने अदम्य साहस से इतिहास रच दिया। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के अनेक महापुरुष ऐसे हैं, जिन्हें देश के इतिहास में उचित स्थान नहीं मिला। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय सेनानियों को देशभर में सम्मान और पहचान दिलाने का कार्य किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने रानी दुर्गावती के बलिदान का स्मरण करते हुए कहा कि वे जनजातीय समाज की महान वीरांगना थीं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने उनके गौरव को स्थायी स्वरूप देते हुए मध्यप्रदेश के जबलपुर में एक भव्य संग्रहालय का

निर्माण कराया है, जो उनके शौर्य और बलिदान की अमिट स्मृति है। मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने संबोधन में छत्तीसगढ़ के जनजातीय सेनानियों के योगदान को विशेष रूप से स्मरण किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में लगभग 32 प्रतिशत जनजातीय आबादी निवास करती है और यहां के 14 जनजातीय महापुरुषों ने देश की आज़ादी के लिए अपने प्राण न्योछावर किए। उन्होंने कहा कि शहीद वीर नारायण सिंह, वीर गुण्डाधुर, गेंद सिंह जैसे महापुरुषों ने अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष कर देश की स्वतंत्रता के लिए बलिदान दिया। शहीद वीर नारायण सिंह को अंग्रेजों ने राजधानी रायपुर के जय स्तंभ चौक में फांसी दी थी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इन जनजातीय नायकों की स्मृति को संरक्षित करने और नई पीढ़ी तक उनके बलिदान की गाथा पहुंचाने के उद्देश्य से नया रायपुर में शहीद वीर नारायण सिंह डिजिटल संग्रहालय का निर्माण किया गया है। यह देश का पहला डिजिटल संग्रहालय है, जिसका उद्घाटन छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के करकमलों से हुआ। मुख्यमंत्री श्री साय ने आदि लोकोत्सव में उपस्थित सभी लोगों को छत्तीसगढ़ आकर इस डिजिटल संग्रहालय को देखने का आमंत्रण भी दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनजातीय समाज के लिए इससे बड़ा गौरव क्या हो सकता है कि आज देश के सर्वोच्च पद महामहिम राष्ट्रपति के रूप में भी जनजातीय समाज की बेटी सुशोभित हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ जैसे राज्य में आदिवासी समाज का मुख्यमंत्री बनना प्रधानमंत्री श्री मोदी की समावेशी सोच का प्रमाण है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान और प्रधानमंत्री जनमन योजना जैसी पहल का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार जनजातीय समाज के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध है।

श्रमिक कल्याण की दिशा में श्रम कल्याण मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका: डॉ. रमन सिंह

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में श्रमिकों और उनके परिवारों के कल्याण के लिए अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं में आज 6000 से अधिक श्रमिक परिवारों को छात्रवृत्ति योजना, साइकिल सहायता योजना, खेलकूद प्रोत्साहन योजना ढाई करोड़ रूपए से अधिक की राशि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने निवास कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में वितरित की।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने कहा कि श्रम कल्याण मंडल व असंगठित क्षेत्र के मजदूरों के लिए कल्याणकारी योजनाओं को अमली जामा पहने का कार्य उनके ही मुख्यमंत्रित्व काल में प्रारंभ हुआ और खूब आगे बढ़ा, अब तक इन योजनाओं का लाभ प्रदेश के लाखों मजदूरों को मिल चुका है। उन्होंने मंडल द्वारा संचालित किफायती दर में भोजन उपलब्ध कराने की योजना का प्रशंसा करते हुए कहा कि कल्याण मंडल जन्म से लेकर मृत्यु तक की योजना बनाकर मजदूर क्षेत्र में क्रांतिकारी कार्य किया है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा ने छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल की श्रमिक कल्याण के हितों के लिए प्रदेश भर में चलाई जा रही 14 कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि मजदूरों को हर परिस्थिति में मदद करने के लिए तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए श्रम कल्याण मंडल, कंधे से कंधा मिलाकर साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि ढाई करोड़ से ऊपर की धनराशि का छात्रवृत्ति योजना, साइकिल सहायता योजना व खेलकूद प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत प्रदेश के संगठित क्षेत्र में काम करने वाले हजारों मजदूरों को प्रदान किया गया है। कार्यक्रम में मंडल के कल्याण आयुक्त अजितेश पांडे, पूर्व अध्यक्ष मोहन एंटी, रामकृष्ण धीवर, रवि शंकर सिंह, राधेश्याम गुप्ता, कमल बॉस व विभिन्न उद्योगों से आए मजदूर उपस्थित थे।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दामाखेड़ा में संत समागम मेले की तैयारियों की समीक्षा की

रायपुर। कबीर धर्मनगर दामाखेड़ा मे 23 जनवरी 2026 से शुरू हो रहे संत समागम समारोह (माघ मेला) की तैयारी हेतु उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा एवं पंथ श्री प्रकाशमुनि नाम साहब की अध्यक्षता में शुक्रवार को सदुरु कबीर धर्मदास साहब वंशावली प्रतिनिधि सभा प्रांगण में बैठक सम्पन्न हुआ। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने संत समागम समारोह की भव्यता को दृष्टिगत रखते हुए सुविधा, व्यवस्था एवं सुरक्षा की चाक - चौबंद इंतजाम हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। पंथ श्री प्रकाशमुनि नाम साहब ने बताया कि संत समागम समारोह (माघ मेला) 23 जनवरी से माघ पूर्णिमा 1 फरवरी 2026 तक आयोजित होगा। इस वर्ष समारोह में 23 जनवरी को नवोदित वंशाचार्य उदितमुनि नाम साहब का चादर तिलक समरोह भी होगा, जिसमें अन्य प्रान्त एवं विदेशों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि इस समारोह को प्रतिवर्ष जिला प्रशासन का पूरा

सहयोग मिलता है इस वर्ष भी सभी का सहयोग प्राप्त होगा और सफलता पूर्वक यह आयोजन सम्पन्न होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि इस बार का आयोजन वृहद स्तर पर किया जाएगा। जिससे अधिक मानव संसाधन एवं व्यवस्थाओं की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि सभी अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें और समय पर सभी कार्य पूर्ण करें। सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त हो ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालु यहां से मधुर स्मृति अपने साथ लेकर जाएं। श्री शर्मा ने जिला प्रशासन द्वारा अब तक की गई तैयारियों से संतुष्टि जाहिर करते हुए किसी प्रकार की कमी की कोई गुंजाईश न रखने के निर्देश दिये। बैठक में राजस्व मंत्री श्री टंकराम वर्मा, रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल, पूर्व विधायक श्री शिवरतन शर्मा ने भी अपने सुझाव साझा किये। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल, कलेक्टर दीपक सोनी, पुलिस अधीक्षक भावना गुप्ता, डीएफओ गणवीर धम्मशील, जिला अध्यक्ष आनंद यादव, सीईओ सुश्री दिव्या अग्रवाल, एसडीएम अतुल शेट्टे सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

मत्स्य पालन से आर्थिक समृद्धि की राह : श्रीराम मछुआ सहकारी समिति बनी ग्रामीण सशक्तिकरण की मिसाल

रायपुर। मुंगेली जिले के पथरिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम कपुआ में स्थित श्रीराम मछुआ सहकारी समिति मर्यादित, चंद्रगढ़ी ने शासकीय योजनाओं के माध्यम से मत्स्य पालन को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित कर आर्थिक समृद्धि की दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। समिति ने मछली पालन को व्यवसायिक स्वरूप प्रदान करते हुए उत्पादन में निरंतर वृद्धि की है और वर्तमान में इससे प्रतिवर्ष 2.50 लाख रुपये से अधिक की आय अर्जित की जा रही है।

समिति के सदस्यों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 10 सदस्यों के किसान क्रेडिट कार्ड स्वीकृत कराए गए, जिससे पूंजी की सुलभता बढ़ी और उत्पादन लागत में कमी आई। इसके साथ ही, सदस्यों को 10 दिवसीय मत्स्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से आधुनिक तकनीकी ज्ञान प्रदान किया गया। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप समिति ने लगभग 1.50

लाख रुपये की शुद्ध आय अर्जित की, जिससे सदस्यों की आजीविका में सुधार हुआ है।

श्रीराम मछुआ सहकारी समिति ने मत्स्य विभाग के मार्गदर्शन में योजनाबद्ध ढंग से कार्य प्रारंभ किया। इसके फलस्वरूप समिति को टॉर बाँध, दर्री तालाब, मरघट तालाब, पैठू तालाब, डोजर बाँध, पीपरहा तालाब एवं गोठान तालाब सहित कुल 21.087 हेक्टेयर जल क्षेत्र में मत्स्य पालन का आबंटन प्राप्त हुआ। आज श्रीराम मछुआ सहकारी समिति न केवल आर्थिक रूप से सुदृढ़ स्थिति में है, बल्कि क्षेत्र के अन्य मत्स्य समूहों के लिए एक आदर्श बन गई है। पारंपरिक पेशे को आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और सामूहिक प्रयासों से जोड़कर समिति ने यह सिद्ध किया है कि उचित मार्गदर्शन, योजनाबद्ध कार्यप्रणाली और सामूहिक प्रतिबद्धता से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान की जा सकती है।

MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR
e-Procurement Tender Notice

Main Portal http://eproc.cgstate.gov.in
(3rd Call)

NIT No: 114 A RAIPUR DATED: 07.01.2026

Online bids are invited for the following worksup to 19.01.2026 at 17:30 hours.

Sr. No.	System Tender No.	Name of works/ Description of work	probabale amount of contract (In Lacs)
01	183536	ब्राम्हणपारा वार्ड क्र. 43 अंतर्गत नवीन सरस्वती कन्या उ. मा. शाला पुरानी बस्ती के पीछे आंगनबाड़ी निर्माण कार्य। (तृतीय निविदा)	11.69 lacs

The details can be viewed and downloaded online directly from the government of Chhattisgarh e- Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 18.01.2026, 17.30 Hours (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal. NIT Details and other documents.

NOTE:
1. All eligible/ interested contractors are mandated to get enrolled on e- Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic. Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID helpdesk.eproc@cgswan.gov.in

घरो से निकलने वाले सूखा और गीला कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें।

ZONE COMMISIONER
ZONE- 04
MUNICIPAL CORPORATION
RAIPUR (C.G.)

घरों तक पहुंचने से पहले पीने के पानी का कई चरण में होता है परीक्षण- सुरेश गुप्ता

17 में से 15 टंकियों की सफाई कार्य पूर्ण, 2 में कार्य प्रगति पर।

जगदलपुर। नगर निगम के जलापूर्ति विभाग से शहर की जनता को शुद्ध पेयजल मिले ईसके लिए शहर में दो फिल्टर प्लांट और 17 टंकी है। एक फिल्टर प्लांट पुरानी और दूसरी फिल्टर प्लांट आधुनिक है। पुराने फिल्टर प्लांट से चार एमएलटी पानी और नए फिल्टर प्लांट से 9 एमएलटी पानी की सप्लाई शहर में की जाती है, लगभग 5:30 एमएलटी पानी की सप्लाई बोर एवं अन्य माध्यम से। इस तरह कुल 17.5 एमएलटी पानी रोजाना शहर की जनता की प्यास बुझाता है। दोनों फिल्टर प्लांट से 13 एमएलटी पानी की सप्लाई से पूर्व, 24 घंटे में 6 बार पानी का सैंपल लिया जाता है, और इसे लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रयोग शाला में जांच कराया जाता है। फिल्टर प्लांट से ट्रीटमेंट प्लांट से होकर गुजरने के बाद सप्लाई से पूर्व सेंपल पानी का लिया जाता है और इसे टेस्ट किया जाता है।इस तरह से मानक युक्त शुद्ध जल ही निगम द्वारा सप्लाई की जा रही है सुरेश गुप्ता जल कार्य सभापति ने बताया कि नगर निगम शहर की जनता को आश्वस्त करना चाहता है कि फिल्टर प्लांट की सफाई का कार्य गर्मी में किया जाता है और यह प्रक्रियाधिन है। इसके साथ ही समय-समय पर फिल्टर प्लांट का सिल्ट नगर निगम के कुशल मजदूरों के द्वारा निकाला जाता है। वर्तमान में भी महापौर संजय पांडे के निर्देश पर जल कार्य विभाग द्वारा शहर के 17 टंकियों की सफाई की निविदा 20.7.2025 को जारी की गई और 20.8.2025 को टंकी सफाई हेतु कार्यादेश जारी किया गया। इस निविदा के तहत अब तक 15 टंकियों की सफाई हो चुकी है, दो में कार्य प्रगति पर है। यहां यह बताना जरूरी है कि पूर्व में 8/8/2023 को 17 टंकियों की जल क्षमता 182.4 लाख लीटर का सफाई का दर 42 पैसे प्रति लीटर से सफाई में 38,30, 400 रूपये (अड़तीस लाख तीस हजार चार सौ रुपए) खर्च किए गए थे वहीं 20/8/2025 के परिपेक्ष में 182.4 लाख लीटर 17 टंकियों की सफाई का दर 13.5 पैसे प्रति लीटर से 24,62,400 मात्र खर्च होना है। इस तरह से वर्तमान में जो 17 टंकी की सफाई होगी और इस सफाई में जो पारदर्शिपूर्वक निविदा की गई है ।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के कांग्रेस प्रभारी सचिन पायलट ने ली महत्वपूर्ण बैठक

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रभारी एवं ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ पदाधिकारी सचिन पायलट आज राजीव भवन में वरिष्ठ कांग्रेसजनों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली। जिसमें मतदाता सूची के गहन परीक्षण सहित संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई।

आज की बैठक में प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, टीएस सिंहदेव, सत्यनारायण शर्मा एवं गुरूमुख सिंह वोरा सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

मिली जानकारी के अनुसार कांग्रेस के संगठन को मजबूत बनाने एवं संगठनात्मक रूप से मजबूत करने के लिए आज छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने एक महत्वपूर्ण बैठक ली। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के पश्चात ब्लॉक कमेटी की सूची जारी करने पर विचार किया जा रहा है। ज्ञात रहे कि कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी को विधानसभा में घेरने की रणनीति बनाई है। जिसके तहत अब भाजपा को विभिन्न मुद्दों पर घेरा जा रहा है। इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत एवं टीएस सिंहदेव भी उपस्थित थे।

कन्या छात्रावास परिसर में सेप्टिक टैंक का पानी बह रहा, संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ा

रायपुर। रायपुर नगर निगम के अंतर्गत 70 वार्डों के लिए आए दिन स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। स्वच्छ सुंदर रायपुर का नारा महापौर मीनल चौबे द्वारा दिया गया है जबकि नगर निगम के अधिकारी शहर के अंदर स्थित आउटडोर स्टेडियम में बने कन्या छात्रावास परिसर में स्थित सेप्टिक टैंक एवं नाली के गंदे पानी को अब तक नहीं रोक पाए हैं जिसकी वजह से वहां रह रही छात्राओं के अनुसार संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

मिली जानकारी के अनुसार वार्ड पार्षद एवं नगरनिगम के स्वच्छता विभाग के वाहन बुढ़ापारा पुराना धरना स्थल पर पार्क किए जाते हैं लेकिन किसी को उक्त परिसर में गंदे पानी को रोकने की फुर्सत नहीं है। बुढ़ापारा के वरिष्ठ नागरिक रामेश्वर सोनी, नीतिन सोनी एवं खिलाड़ी एवं मीडियाकर्मी संजय यदु ने वार्ड पार्षद जोन कमिश्नर, आयुक्त नगरनिगम एवं महापौर मीनल चौबे से छात्राओं को कन्या छात्रावास परिसर में स्थित उक्त समस्या का तत्काल निदान कर राहत देने की मांग की है।

नए ऊर्जा और नई रणनीति के साथ बीजापुर के विकास में जुटें अधिकारी - उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा बीजापुर के अपने दो दिवसीय प्रवास के दौरान बुधवार को जिला कार्यालय सभाकक्ष में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ नियद नेल्ला नार योजनान्तर्गत संचालित विकास कार्यों की समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने विभागवार योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन की जानकारी लेते हुए कहा कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में 31 मार्च 2026 तक सशस्त्र माओवाद का पूरी तरह उन्मूलन सुनिश्चित किया जाएगा। इसके बाद बस्तर क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास का नया अध्याय शुरू होगा। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि माओवाद के समूल उन्मूलन के बाद लोगों में विश्वास जगाना और विकास कार्यों में तीव्रता लाना आवश्यक होगा। अब समय बहुत कम है, इसलिए शासन की सभी महत्वाकांक्षी योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन नई ऊर्जा, नई रणनीति और जनकल्याण की भावना के साथ सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को अपनी नैतिक जिम्मेदारियों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बीजापुर के सुदूर अंचलों में सड़क, बिजली, पानी, स्कूल, अस्पताल, आंगनबाड़ी सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की सभी हितग्राही मूलक योजनाओं से प्रत्येक व्यक्ति को जोड़ा जाएगा। जिले के अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाएं सुगमता से पहुंचेंगी, जिसमें जिला, विकासखण्ड और मैदानी अमले के अधिकारी-कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उपमुख्यमंत्री ने बताया कि माओवाद मुक्त ग्राम पंचायतों को विशेष परियोजना के तहत 'इलवद पंचायत' के रूप में एक करोड़ रुपये के विकास कार्यों की सौगात दी जाएगी। इसके साथ ही शासन की महत्वाकांक्षी 'नियद नेल्ला नार' योजना के अंतर्गत जिले के 201 गांवों को शामिल किया गया है, जहां शासकीय योजनाओं की शत-प्रतिशत संतृप्तता और प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल दिया जा रहा है। बैठक में एडीजी नक्सल ऑपरेशन विवेकानंद सिन्हा ने कहा कि बीजापुर में अब शांति और सुरक्षा की स्थिति सुदृढ़ हो रही है, जिससे शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में पहले की तुलना में अधिक सुगमता आई है। उन्होंने कहा कि पहले और आज के बीजापुर में स्पष्ट अंतर दिखाई देता है। पंचायत विभाग के सचिव भीम सिंह ने बताया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का निराकरण लगातार किया जा रहा है और बस्तर संभाग का विकास शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। कलेक्टर संबित मिश्रा ने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए बीजापुर के समग्र विकास के लिए पूर्ण प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आश्वासन दिया। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, बस्तर कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी, संचालक अश्विनी देवांगन, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव, डीएफओ रंगानाथन रामाकृष्णन, जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे सहित जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए किए जा रहे जन-जागरूकता कार्यक्रम

रायपुर। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुक्रम में मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक छत्तीसगढ़ शासन के मार्गदर्शन में अंतर्विभागीय लीड एजेंसी सड़क सुरक्षा द्वारा पूरे प्रदेश में सड़क सुरक्षा माह 2026 के तहत प्रतिदिन जन-जागरूकता संबंधी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं परिवहन मंत्री केदार कश्यप की ओर से लीड एजेंसी द्वारा जन जागरूकता संबंधी तैयार पोस्टर एवं फ्लैक्स जारी किया गया। इसी क्रम में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा प्रदेश के समस्त सरपंचों एवं पंचगणों को पंचायत अंतर्गत सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु आवश्यक पहल करने के लिए एक अपील जारी किया गया। सड़क सुरक्षा माह के प्रथम दिवस 01 जनवरी 2026 को न्यायमूर्ति अभय मनोहर सप्रे, माननीय सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑफ रोड सेफ्टी की अध्यक्षता में बेमेतरा में हेलमेट रैली को हरी झण्डी दिखाकर इसका शुभारंभ किया। इसी कड़ी में 03 जनवरी को दुर्ग में संभाग स्तरीय अधिकारियों, संभागायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, सात जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, परिवहन, लोक निर्माण, नगरीय प्रशासन, शिक्षा, आबकारी, स्वास्थ्य निर्माण एजेंसियों की बैठक तथा 05 जनवरी को मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव विकासशील की उपस्थिति में संबंधित विभागीय सचिवों की बैठक आयोजित की गई।

संपादकीय

प्रतिभा नहीं काफी पर्याप्त

यह प्रश्न हमेशा मौजूद रहा है कि भारत पदक तालिका में अपनी मौजूदा दयनीय स्थिति से कैसे उबरे। बिंद्रा समिति इसका मूलमंत्र बताया है कि खेल प्रशासन को पेशेवर बनाना, जिसमें जवाबदेही तय करने की करने की ठोस व्यवस्था हो। सिर्फ प्रतिभा की बदौलत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल में सफलता कभी- कभार ही मिल सकती है। निरंतरता लानी हो, तो उसका राज़ पेशेवर नजरिया है। ओलिंपिक या अन्य खेल आयोजनों में पदक जीतने के ऐसे नजरिए से संचालित सिस्टम अपरिहार्य है। यह सार-संक्षेप है कि 170 पेज की रिपोर्ट का, जिसे ओलिंपिक खेलों में भारत के पहले व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा के नेतृत्व वाली कमेटी ने तैयार किया है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलों में भारत का प्रदर्शन कैसे बेहतर हो, इस पर सुझाव देने के लिए यह समिति केंद्रीय खेल मंत्रालय ने बनाई थी। भारत ने 2036 के ओलिंपिक खेलों की मेजबानी का दावा पेश किया हुआ है। संभवत: उसके मद्देनजर सरकार ने विशेष तैयारी की जरूरत महसूस की है। बहरहाल, आयोजन भारत में हो या नहीं, यह कठिन प्रश्न तो हमेशा ही मौजूद रहा है कि भारत पदक तालिका में अपनी मौजूदा दयनीय स्थिति से कैसे उबरे। बिंद्रा समिति इसका मूलमंत्र बताया है कि खेल प्रशासन को पेशेवर बनाना, जो देश की वास्तविक खेल क्षमता के बारे में स्पष्ट राष्ट्रीय खाका बना सके और खिलाड़ियों की प्रगति का आकलन कर सके। साथ ही जिसमें जवाबदेही तय करने की करने की कारगर व्यवस्था हो। प्रतिभाओं को तराशने के लिए समिति ने नेशनल काउंसिल फॉर स्पोर्ट्स एजुकेशन एंड कैपेसिटी बिल्डिंग नाम की संस्था बनाने का सुझाव दिया है। साथ ही खेल प्रशासन से जुड़ी मौजूदा संस्थाओं को पेशेवर बनाने की सिफारिश की है। सार यह है कि समिति ने देश में खेल ढांचा निर्मित करने की वकालत की है। यह नजरिया उससे बिल्कुल अलग है, जिसके तहत 2016 में नीति आयोग ने टॉप्स योजना (टारगेट ओलिंपिक्स पॉडियम स्कीम) बनाई थी। सोच यह थी कि व्यक्तिगत प्रतिभाओं को पहचान कर उन्हें ओलिंपिक पदक के लिए तैयार किया जाए। इसके तहत 2024 तक 50 पदक जीतने का लक्ष्य रखा गया, लेकिन असल में छह पदक मिले, जिनमें स्वर्ण पदक एक भी नहीं था। तो अब बिंद्रा समिति ने नजरिया बदलने का सुझाव दिया है। क्या इस पर अमल होगा? कहना कठिन है, क्योंकि पेशेवर नजरिया और जवाबदेही जैसे शब्द फिलहाल हमारे शब्दकोश में नहीं हैं।

सिखों के दशम गुरु – गुरु गोविंद सिंह

अशोक प्रवृद्ध

उन्होंने देश, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सिखों को संगठित किया और उन्हें सैनिक परिवेश में ढाला। मान्यता है कि धर्म और न्याय की प्रतिष्ठा के लिए गुरु गोविंद सिंह का अवतरण हुआ था। इसी उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा था — मुझे परमेश्वर ने दुष्टों का नाश करने और धर्म की स्थापना के लिए भेजा है।

सिख धर्म के सर्वाधिक वीर योद्धा और निर्बलों को अमृतपान कर शस्त्रधारी बनाकर उनमें वीर रस भरने वाले सिख समुदाय के दसवें और अंतिम धर्मगुरु (सतगुरु) गुरु गोविंद सिंह (22 दिसम्बर, 1666 ई. — पटना, बिहार; 7 अक्टूबर, 1708 ई. — नांदेड़, महाराष्ट्र) न केवल सिखों के सैनिक संगति और ख़ालसा के सृजन के लिए प्रसिद्ध हैं, बल्कि वे उस ऐतिहासिक निर्णय के लिए भी लोकप्रसिद्ध हैं कि अब सिख पंथ में देहधारी गुरु की परंपरा समाप्त हो और गुरु ग्रंथ साहिब ही सर्वमान्य गुरु हो।

गुरु गोविंद सिंह ने सर्वप्रथम खालसा पंथ में सिंह उपनाम लगाने की शुरुआत की। उन्होंने आदेश दिया कि आगे से कोई भी देहधारी गुरु नहीं होगा — गुरु की वाणी और गुरु ग्रंथ साहिब ही सिखों के लिए गुरु की भूमिका रखेंगे। एक प्रवीण कवि के रूप में गुरु गोविंद सिंह ने समय के अनुकूल योगियों, पंडितों और संतों के लिए बाणी की रचना की, जिसे बाद में बेअंत बाणी कहा गया।

ऐसे महान योद्धा और गुरु का जन्म मुग़ल शासन के समय पौष शुदी सप्तमी संवत 1723 (तदनुसार 22 दिसम्बर, 1666) को पटना शहर में गुरु तेग बहादुर और माता गुजरी के घर हुआ। उनका नाम गोविंद राय रखा गया। उनके जन्म पर पूरे शहर में उत्सव मनाया गया।

बचपन में गोविंद को खिलौनों से खेलना पसंद था, लेकिन वे तलवार, कृपाण, धनुष बाण से खेलने में भी रुचि रखते थे। बाल्यकाल से ही वे अत्यंत शरारती थे, परन्तु दूसरों को कष्ट नहीं देते थे। एक किस्सा प्रसिद्ध है कि वे सूत काटने वाली एक निसंतान वृद्धा के साथ शरारत करते थे — उसकी सूत की पूनियाँ बिखेर देते थे। जब वृद्धा उनके माता पिता के पास शिकायत लेकर जाती थी, तो माता गुजरी पैसे देकर उसे खुश कर देती थीं। एक बार माता गुजरी ने गोविंद से कारण पूछा कि तुम वृद्धा को तंग क्यों करते हो? गोविंद ने सहज भाव से कहा कि वह उसकी गरीबी दूर करना चाहता है — क्योंकि अगर मैं उसे परेशान नहीं करूंगा, तो उसे पैसे कैसे मिलेंगे?

गोविंद राय को सैन्य जीवन का लगाव अपने दादा गुरु हरगोबिन्द सिंह से मिला था और उन्हें महान बौद्धिक संपदा भी विरासत में मिली थी। बहुभाषाविद गुरु गोविंद सिंह को फ़ारसी, अरबी, संस्कृत और पंजाबी भाषाओं का अच्छा ज्ञान था। उन्होंने सिख क़ानून को सूत्रबद्ध किया, काव्य रचना की, और सिख ग्रंथ दसम ग्रंथ (दसवाँ खंड) लिखकर प्रसिद्धि पाई।

उन्होंने देश, धर्म और स्वतंत्रता की रक्षा के लिए सिखों को संगठित किया और उन्हें सैनिक परिवेश में ढाला। मान्यता है कि धर्म और न्याय की प्रतिष्ठा के लिए गुरु गोविंद सिंह का अवतरण हुआ था। इसी उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा था — मुझे परमेश्वर ने दुष्टों का नाश करने और धर्म की स्थापना के लिए भेजा है। यही कारण है कि आज भी गुरु गोविंद सिंह के जन्म उत्सव को गुरु गोविंद जयंती के रूप में श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इस शुभ अवसर पर गुरुद्वारों में भव्य कार्यक्रमों के साथ गुरु ग्रंथ साहिब का पाठ होता है और अंत में सामूहिक भंडारा यानी लंगर का आयोजन होता है।

नवीन मत के अनुसार 2026 में गुरु गोविंद सिंह जयंती 5 जनवरी को मनाई जाएगी। खालसा पंथ में विशेष महत्त्व रखने वाले इस अवसर पर उनके जन्म स्थल पटना साहिब तथा आनंदपुर साहिब (गुरुद्वारा केशगढ़ साहिब) और अन्य स्थानों पर जयंती अत्यधिक धूमधाम से मनाई जाती है।

गिग-वर्कर्स: डिजिटल सुविधा की चकाचौंध में पसीने का अंधेरा

ललित गर्ग

ऑनलाइन बाज़ार और त्वरित सेवाओं के इस दौर में गिग-वर्कर्स शहरी जीवन-व्यवस्था की वह अदृश्य रीढ़ बन चुके हैं, जिनके बिना 'दस मिनट में डिलीवरी' और 'एक क्लिक पर सुविधा' की कल्पना भी नहीं की जा सकती। बाज़ार आने-जाने के झंझट से लोगों को मुक्त करने वाले ये युवा हर मौसम, हर समय और हर जोखिम में घर-घर सामान पहुँचाते हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जिनके श्रम पर डिजिटल अर्थव्यवस्था की ऊँची इमारत खड़ी है, वही श्रमिक सबसे अधिक असुरक्षा, शोषण और उपेक्षा झेल रहे हैं। नये साल की पूर्व संध्या पर गिग-वर्कर्स द्वारा की गई हड़ताल ने भले ही देशव्यापी आपूर्ति-श्रृंखला को ठप न किया हो, लेकिन इसने उनकी बदहाल कार्य-परिस्थितियों की ओर देश का ध्यान अवश्य खींचा है। यह हड़ताल किसी राजनीतिक उकसावे का परिणाम नहीं, बल्कि लगातार बढ़ते काम के दबाव, घटते मेहनताने, नौकरी की अनिश्चितता और सम्मान के अभाव की स्वाभाविक प्रतिक्रिया थी।

अपना व परिवार का पोषण करने वाले इन युवा गिग-वर्कर्स को अकसर सरपट दौड़ती मोटरसाइकिलों पर, भारी थैलों के साथ ऊँची इमारतों की सीढ़ियाँ चढ़ते देखा जा सकता है। समय सीमा का दबाव इतना तीव्र होता है कि ज़रा-सी देरी पर आर्थिक दंड झेलना पड़ता है। दुर्घटना, बीमारी या तकनीकी गड़बड़ी-किसी भी स्थिति में उनकी आय पर सीधा असर पड़ता है। ग्राहकों का व्यवहार भी प्राय: असंवेदनशील होता है। देर होने पर झिड़कियाँ, सामान में कमी निकालकर अपमान, कभी-कभी हिंसक व्यवहार और रेटिंग के ज़रिये भविष्य की कमाई पर प्रहार-यह सब इनके रोज़मर्रा का हिस्सा है। इसके बावजूद औसतन 12-14 घंटे काम करने के बाद भी सात-आठ सौ रुपये की आय और वह भी बिना समुचित बीमा या सामाजिक सुरक्षा के एक गहरे शोषण की ओर इशारा करती है।

गिग वर्कर्स वे लोग होते हैं जो पारंपरिक नौकरी के बजाय अस्थायी, लचीले और स्वतंत्र रूप से छोटे-छोटे काम (गिग्स) करते हैं, जो अक्सर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे ऊबर, स्वीग्गी, जोमाटोज् या अन्य ऐप्स के ज़रिए मिलते हैं और इन्हें प्रति कार्य या प्रोजेक्ट के हिसाब से भुगतान मिलता है, न कि नियमित वेतन। इन श्रमिकों के पास कोई स्थायी रोजगार अनुबंध नहीं होता और वे खुद के बॉस की तरह काम करते हैं, लेकिन उन्हें सामाजिक सुरक्षा (जैसे स्वास्थ्य बीमा, पेंशन) जैसे लाभ नहीं मिलते। गिग वर्कर्स की चुनौतियाँ एवं मजबूरियां ज्यादा है, आय कम। आय की अनिश्चितता, सामाजिक सुरक्षा लाभों (जैसे बीमारी, दुर्घटना, पेंशन) का अभाव, श्रम अधिक-भुगतान कम, कामकाजी घंटों और मजदूरी को लेकर अक्सर विवाद। गिग वर्कर्स गिग इकॉनमी का हिस्सा हैं, जहाँ वे अपनी मर्ज़ी से छोटे-छोटे, अस्थायी काम करके पैसे कमाते हैं, जो पारंपरिक 9-से-5 की नौकरी से अलग होता है। गिग वर्कर का अर्थ है एक ऐसा व्यक्ति जो आमतौर पर सेवा क्षेत्र में एक स्वतंत्र ठेकेदार या फ्रीलांसर के रूप में अस्थायी काम करता है जो पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंधों के बाहर काम करता है या कार्य व्यवस्था में भाग लेता है और ऐसी गतिविधियों से कमाई करता है।

निस्संदेह, गिग अर्थव्यवस्था ने रोजगार सृजन की अपनी क्षमता दिखाई है। आज भारत में गिग-वर्कर्स की संख्या सवा करोड़ से अधिक है और अनुमान है कि 2030 तक यह संख्या दो करोड़ पैंतीस लाख तक पहुँच सकती है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि बेरोजगारी के बढ़ते दौर में पढ़े-लिखे युवा इस व्यवस्था में 'विकल्प' के रूप में नहीं, बल्कि 'मजबूरी' में प्रवेश कर रहे हैं। जिस देश को युवाओं का देश कहा जाता है, वहाँ शिक्षित युवाओं का अस्थायी, असुरक्षित और सम्मानहीन श्रम-व्यवस्था में फँसना न केवल चिंताजनक, बल्कि शर्मनाक भी है। यह स्थिति बताती है कि हमारी विकास-नीतियाँ रोजगार की गुणवत्ता पर नहीं, केवल संख्या पर केंद्रित हैं। गिग-वर्कर्स की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि कंपनियाँ उनसे पूरा काम लेती हैं, लेकिन उन्हें पारंपरिक नियोक्ता-कर्मचारी संबंध के दायरे में स्वीकार नहीं करतीं। उन्हें 'स्वतंत्र कामगार' कहकर नियुक्ति, स्थायित्व, बीमा और न्यूनतम वेतन जैसी जिम्मेदारियों से बचा जाता है।

हायर एंड फायर की नीति, एल्गोरिदम आधारित नियंत्रण, रेटिंग सिस्टम और प्रोत्साहन के नाम पर लालच-ये सब मिलकर एक ऐसी अदृश्य जकड़न पैदा करते हैं, जिसमें श्रमिक स्वतंत्र दिखता है, लेकिन वास्तव में पूरी तरह नियंत्रित होता है। हड़ताल के दौरान भी अतिरिक्त प्रोत्साहन देकर या ऑर्डर बढ़ाकर श्रमिक एकता को कमजोर कर दिया जाता है। 31 दिसंबर को एक प्रमुख खाद्य वितरण कंपनी द्वारा रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किया जाना इसी विडंबना को उजागर करता है। हाल के दिनों में संसद में भी गिग-वर्कर्स के शोषण का मुद्दा उठा है। सांसद राघव चड्ढा और मनोज कुमार झा जैसे नेताओं ने इस वर्ग की दयनीय स्थिति पर ध्यान दिलाया है। यह स्वागतयोग्य है, क्योंकि नीति-निर्माण की प्रक्रिया में जब तक इन श्रमिकों की आवाज़ शामिल नहीं होगी, तब तक सुधार अधूरे रहेंगे।

भारत सरकार द्वारा हालिया श्रम सुधारों में पहली बार गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स को कानूनी रूप से परिभाषित किया गया है। एग्रीगेटर कंपनियों के टर्नओवर का एक से दो प्रतिशत सामाजिक सुरक्षा कोष में योगदान, आधार से जुड़े सार्वभौमिक खाता नंबर जैसी व्यवस्थाएँ एक लंबे समय से प्रतीक्षित कदम हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये प्रावधान वास्तव में गिग-वर्कर्स के जीवन में ठोस बदलाव ला पाएँगे? या फिर ये केवल काग़ज़ी सुधार बनकर रह जाएँगे? जब तक न्यूनतम आय, कार्य-घंटों की सीमा, दुर्घटना बीमा, स्वास्थ्य सुरक्षा और शिकायत निवारण की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित नहीं होती, तब तक इन सुधारों को परिवर्तनकारी नहीं कहा जा सकता। 31 दिसंबर की हड़ताल भले ही पूरी तरह सफल न रही हो, लेकिन वह नैतिक और सामाजिक रूप से पूरी तरह जायज़ थी। यह हड़ताल व्यवस्था को बाधित करने से अधिक, व्यवस्था के भीतर छिपे अन्याय, शोषण की वृत्ति एवं दोगलेपन को उजागर करने का प्रयास थी। गिग-वर्कर्स ने यह संदेश दिया कि वे केवल 'डिलीवरी बॉय' नहीं, बल्कि श्रमशील नागरिक हैं, जिनके अधिकारों की अनदेखी अब और नहीं की जा सकती। निश्चित ही डिजिटल अर्थव्यवस्था का भविष्य गिग-वर्कर्स के बिना संभव नहीं है। इसलिए यह ज़रूरी है कि नीति-निर्माता, कंपनियाँ और उपभोक्ता-तीनों अपनी भूमिका पर आत्ममंथन करें। कंपनियों को लाभ के साथ जिम्मेदारी भी स्वीकार करनी होगी, सरकार को कानूनों का सख्त क्रियान्वयन सुनिश्चित करना होगा और उपभोक्ताओं को सुविधा के साथ संवेदनशीलता भी अपनानी होगी। यदि हम गिग-वर्कर्स को केवल सुविधा का साधन मानते रहे और उन्हें सम्मान, सुरक्षा व स्थायित्व नहीं दिया, तो यह केवल श्रमिकों का नहीं, बल्कि हमारी विकास-कल्पना का भी संकट होगा। विकसित भारत, उन्नत भारत एवं समृद्ध भारत के नाम पर एक बदनुमा दाग होगा। डिजिटल भारत की असली परीक्षा यही है कि वह अपने सबसे तेज़ दौड़ने वाले श्रमिकों को कितना सुरक्षित और सम्मानित जीवन दे पाता है।

तेज़ी से फैलती ऑनलाइन सेवाओं की दुनिया में गिग-वर्कर्स की कार्य-सेवाओं को अब अनौपचारिक नहीं, बल्कि नियोजित, मान्यताप्राप्त और सम्मानजनक श्रम के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। उनकी मेहनत का उचित और सुनिश्चित भुगतान, सुरक्षित कार्य-परिस्थितियाँ और सामाजिक सुरक्षा कोई दया नहीं, बल्कि उनका अधिकार है, जिसमें सरकार को निर्णायक हस्तक्षेप करना ही होगा। मुनाफ़े की अंधी दौड़ में लगी बड़ी कॉरपोरेट कंपनियों को यह समझना होगा कि श्रम केवल लागत नहीं, बल्कि व्यवस्था की आत्मा है; शोषण की मानसिकता छोड़कर संवेदनशीलता और जवाबदेही अपनाए बिना कोई भी डिजिटल विकास टिकाऊ नहीं हो सकता। यदि गिग-वर्क को गरिमा, सुरक्षा और स्थायित्व के साथ विकसित किया जाए, तो यही सेवाएँ मजबूरी का प्रतीक नहीं, बल्कि रोज़गार की एक आदर्श और मानवीय व्यवस्था बन सकती हैं, जहाँ सुविधा केवल उपभोक्ता को नहीं, सम्मान कामगार को भी मिले।

असल 'धुरंधर' अमेरिका

हरिशंकर व्यास

यह तारीफ़ नहीं है। वह सत्यमेव जयते है, जिसका आधार बुद्धि ज्ञान और सैन्य शक्ति, दोनों के एवरेस्ट की वाह है। अमेरिका ने सन् 2025ङ्क26 में दिमाग से कृत्रिम बुद्धि को स्थापित कर जहां मानवता को चमत्कृत किया, वहीं तीन जनवरी 2026 की रात में उसके सैन्य बल ने वेनेजुएला देश के राष्ट्रपति को उठा कर विश्व को चौंकाया। व्यर्थ है इसके लिए डोनाल्ड ट्रंप को 'धुरंधर' बताना। असल सत्य ढाई सौ साल पुराने अमेरिका के उस संविधान, उस व्यवस्था का है, जिसमें असंभव को संभव बनाने का डीएनए व्यक्तिगत स्वतंत्रता के सांचे की धुन में निहित है। यह व्यवस्था की वह बुनावट है, जिसमें हर व्यक्ति असंभव को संभव बनाने के अवसर को खोजता है, लपकता है और उसमें अपने को खपाता है। भारत में हम लोग व्यक्तियों, चेहरों यानी राष्ट्रपतियों, नेताओं को ताकते हैं, जबकि धुरंधरी व्यवस्था से बनती है। सिस्टम से उत्प्रेरित व्यक्तिगत मानसिकता, वृत्ति और आचरण से ही फिर अर्थ (पूंजीवाद, नवाचार, तकनीक, वित्तीय धुरी), काम (इच्छा, व्यक्तिगत भोग, उपभोक्तावाद, प्रतिस्पर्धा, जुनून, विलासिता) तथा धर्म की सार्वभौमिक, सेक्युलर समझ पैठती है। निश्चित ही खांटी अमेरिकी लोग परलोक, जन्म जन्मांतर या मोक्ष मुक्ति की धारणाओं में नहीं जीते हैं। वे वर्तमान के सत्य में जीते हैं। वहां के नागरिक अंधविश्वासों, टोने टोटकों, भक्ति और झूठ से लगभग मुक्त हैं। वे अतीत में नहीं, आधुनिकता में आगे बढ़ते जाने के लिए सतत हाथ पांव मारते हैं।

इसलिए डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका में भी वही है, जो जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बराक ओबामा या राष्ट्रपति आइज़नहावर और उनके विदेश मंत्री जॉन फोस्टर डलेस के डोनरो डॉक्ट्रिन के शक्ति सूत्र में था। वेनेजुएला के ताज़ा प्रकरण में मुझे राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की कद काठी, भाव भंगिमा, बड़बोलेपन से बार बार सद्दाम हुसैन, कर्नल गद्दाफ़ी, ओसामा बिन लादेन, इस्लामिक स्टेट के बग़दादी आदि वे चेहरे याद होते हैं, जो कथित शक्ति, क्रूरता, बर्बरता के सूरमा भोपाली थे (इतिहास में एक नाम हिटलर भी है)। ये सब किसके शिकार हुए? अमेरिकी सैन्य ऑपरेशनों के। सही है कि इस काम में रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपतियों की संख्या अधिक है, मगर डेमोक्रेटिक पार्टी के राष्ट्रपतियों ने भी संकोच नहीं किया। राष्ट्रपति बराक ओबामा ने ट्रंप के ताज़ा 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व' की तरह ही 'ऑपरेशन नेप्च्यून स्पीयर' को हरी झंडी दी थी। पाकिस्तान के एबटाबाद में अमेरिका की नेवी सील टीम ने 9/11 हमलों के मास्टरमाइंड ओसामा को 1ङ्क2 मई 2011 की रात में मारने के ऑपरेशन को वैसे ही अंजाम दिया, जैसे इस तीन जनवरी की आधी रात को काराकास के राष्ट्रपति भवन में निकोलस मादुरो को दबोचने का सैन्य अभियान हुआ।

सो, ओबामा हों या डोनाल्ड ट्रंप, ये उस अमेरिकी व्यवस्था के प्रतिनिधि हैं, जिसमें ओलंपिक मेडल जीतना सामान्य बात है, तो सिलिकॉन वैली में कृत्रिम बुद्धि (एआई) की रचना का प्रतिमान भी सामान्य है; तो नौसेना की नेवी सील टीम हो या डेल्टा फ़ोर्स या सीआईए, सभी अपनी क्षमताओं का वह जज़्बा लिए होते हैं, जो वेयक्तिक धुन, टीम में पकती है और फिर बस उद्देश्य व कमांड की ज़रूरत होती है।

ऐसे जज़्बे वाले दूसरे देश का नाम इज़राइल है। इज़राइल की वजह यहूदियों का इतिहास बोध और संकल्प है। इज़राइल ने 1948 में गठन के बाद से व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बूते ही अर्थ, धर्म, काम की मनुष्य वृत्तियों में नागरिकों और व्यवस्था को ऐसा बनाया है कि प्रधानमंत्री कोई हो, वह ज्ञात ख़तरों के प्रति कभी लापरवाह नहीं होता। इज़राइली व्यवस्था भी चेक बैलेंस में पाबंद है। नेतन्याहू हों या कोई प्रधानमंत्री, वे संस्थाओं और व्यवस्थाओं की स्वतंत्रता, जीवंतता का गला नहीं घोंटते। तभी ये दो ही देश हैं, जो विश्व राजनीति में बतौर धुरंधर बाकी सभी देशों को ठेंगा दिखाते हैं। ये जो चाहते हैं, वह करते हैं, फिर भले कोई इसे दादागीरी कहे या गुंडागर्दी! सन् 2025 की जनवरी से इस तीन जनवरी की ताज़ा घटना में डोनाल्ड ट्रंप की पहचान मनमर्ज़ी की है। इससे अमेरिकी पहचान बिगड़ी, तो अमेरिका में भी आर पार की राजनीति के पाले बने हैं। मगर अमेरिका के हित की कसौटी में गौर करें, तो ट्रंप के फैसले अर्थिकी, सैन्य क्षमता, उद्यमशीलता, सामाजिक संरचना, पूंजीवाद आदि, सभी कसौटियों में ठीक ही हैं। भाषा और तौर तरीकों का फर्क है; अन्यथा राष्ट्रहित में उनके वैश्विक फैसलों (टैरिफ़ जंग, चीन को कसना, यूरोपीय देशों के सुरक्षा खर्च का बोझ घटाना, अपने से सटे दक्षिण अमेरिकी देशों यानी पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व की दादागीरी पर क्यों अमेरिका में कोई आपत्ति करेगा? वेनेजुएला के तानाशाह राष्ट्रपति को उठवाने के बाद ट्रंप ने कहा है, अब से पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व पर फिर कभी सवाल नहीं उठेगा। अमेरिका बहुत लंबे समय से 'मुनरो डॉक्ट्रिन' पर अमल के प्रति लापरवाह था। अब से ऐसा नहीं होगा। ध्यान रहे, 'मुनरो डॉक्ट्रिन' का उद्देश्य लैटिन अमेरिका से विदेशी शक्तियों को बाहर रखना है। मतलब पूंजीवादी अमेरिका को अपने पिछवाड़े या पड़ोस में सोवियत संघ, रूस, वामपंथियों का प्रभाव बर्दाश्त नहीं। इस नीति के कारण उन्नीसवीं सदी में अमेरिका ने पनामा, निकारागुआ, क्यूबा, बोलीविया, चिली, अर्जेंटीना आदि सभी देशों में हस्तक्षेप किया, सरकारें बदलीं, दक्षिणपंथी सरकारें बनवाईं। शीत युद्ध के दौरान क्यूबा पर तो अमेरिका और सोवियत संघ में ज़बरदस्त ठनी थी, जिसके समाधान में सोवियत संघ झुका, उसने क्यूबा से अपनी मिसाइलें हटाईं।

वे दिन वापिस लौट आए हैं। डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा है कि अमेरिका अब वेनेजुएला को चलाएगा, यदि ज़रूरत पड़ी तो ज़मीन पर सैनिक उतार कर भी। वेनेजुएला के पास दुनिया के सबसे बड़े तेल भंडार हैं। उसकी कंपनियां बेहद विशाल संपदा निकालेंगी। अमेरिकी और वेनेजुएलावासी, दोनों की अमीरी बढ़ेगी। इसके साथ ट्रंप ने कोलंबिया और क्यूबा को भी धमकाया है। उन्होंने कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो पर कोकीन बनाकर उसे अमेरिका भेजने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी है कि वे अब अपने को बचाएं।

विश्व राजनीति में अपने इलाके में अपनी दबंगई की चाह हर महाबली को रही है। इसी कारण रूस के पुतिन ने यूक्रेन में पंगा बनाया। ऐसे ही चीन अपने प्रभाव क्षेत्र की ज़िद में है। हिसाब से दक्षिण एशिया में भारत का हित भी पड़ोसी देशों पर प्रभाव बनाए रखने से, बाहरी प्रभाव यानी चीन को बाहर रखे रखने में है। मगर भारत की व्यवस्था पोली है, चेहरे ठगने वाले हैं; इसलिए चीन को आंख दिखाने या अपने इलाके में अपने रुतबे की ताक़त ही नहीं है। लालबहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी (दोनों की कमान में दुनिया ने असल सैन्य क्षमता जानी थी) के अपवाद को छोड़, भारत की व्यवस्था और उसके तमाम प्रधानमंत्री या तो रक्षात्मक रहे हैं या जनता को दिखावे, शौर्य के ऑपरेशन बनाते हुए।

याद करें युगांडा के हवाईअड्डे से नागरिकों को छुड़वाने के इज़राइली ऑपरेशन को; या अमेरिका के पाकिस्तान में आतंकियों को मारने, ईरान के एटमी ठिकानों पर हमले; या वेनेजुएला के ताज़ा 'ऑपरेशन एब्सोल्यूट रिज़ॉल्व' के परिणामों को। और अब ज़रा प्रधानमंत्री मोदी के छप्पन इंची छाती की कमान में बने ऑपरेशनों पर ध्यान दे? उनके क़िस्से हैं, कहानियां हैं, फ़िल्में हैं, पर परिणाम शून्य। पिछले ग्यारह वर्षों में भारत ने उरी की छावनी में घुसपैठ देखी। वही पुलवामा की आतंकी भयावहता दहलाने वाली थी; तो पहलगाम में हत्याएं नृशंसज मगर इन घटनाओं का एक भी दोषी, आतंकी अपराधी भारत की जेल में नहीं है। जबकि ट्रंप अभी कोकीन सप्लाई के आरोप में वेनेजुएला के राष्ट्रपति को उठवा कर न्यूयॉर्क की अदालत में पेश करने वाले हैं; उधर एटमी ख़तरे में ईरान के एटमी ठिकाने पाताल में धंसा दिए हैं। जबकि भारत की सूरमा एजेंसियों, धुरंधरों का बूता नहीं है जो वे दाऊद इब्राहिम को दबोचें या भारत में ख़ौफ़नाक घटनाओं के ज़िम्मेदार आतंकी, मौलाना मसूद अज़हर, हाफ़िज़ सईद, लख़वी, कासकर को पाकिस्तान से उठा कर जेल में डालें।

बहरहाल, अमेरिका की एजेंसियां व संस्थाएं ठोस हैं, तो नतीजे भी असल और ठोस होंगे। वेनेजुएला के ऑपरेशन की गूंज चीन रूस को भी हैसियत बताने वाली है। दोनों देशों के हाथ पांव फूलेंगे। वेनेजुएला का राष्ट्रपति रूस के भरोसे था; सो, फिर साबित है कि रूस या चीन में वह क्षमता ही नहीं कि किसी के लिए वे अमेरिका से भिड़ें। चीन आज बैटरी यानी ईवी वाहनों के उत्पादनों से वैश्विक बाज़ार में जो डंका बजाए हुए है, उस पर संकट आ सकता है। इसका अधिकांश कच्चा माल, लिथियम, निकल, कोबाल्ट, ग्रेफाइट–दक्षिण अमेरिका की खदानों से (चिली, अर्जेंटीना और बोलीविया के 'लिथियम ट्रायंगल' व ब्राज़ील की 'लिथियम वैली') मिलता है। सो, असंभव नहीं कि ट्रंप प्रशासन अपने रुतबे में चीन की सप्लाई रुकवाए। अमेरिकी विदेश रक्षा नीति में 'मुनरो डॉक्ट्रिन' पर अमल का संकल्प ठोस हुआ, तो सर्वाधिक प्रभावित चीन होगा।

दक्षिण अमेरिका को चीन ने चुपचाप लपेटे में लिया है। ब्राज़ील के राष्ट्रपति लूला, ब्रिक्स के ज़रिए चीन से जो नाता बनाए हुए हैं, वह ट्रंप प्रशासन को खटक रहा है। तभी 2026 में कोलंबिया, क्यूबा के बाद ब्राज़ील भी ट्रंप प्रशासन के निशाने में होगा। उधर ट्रंप ने ईरान के अयातुल्ला शासन को धमकी दी है कि वे अपने प्रदर्शनकारियों पर गोली न चलाएं; अन्यथा अमेरिका चूकेगा नहीं। मेरा मानना है कि इज़राइल तथा खाड़ी अरब के सुन्नी बहुल देश–सभी मिलकर–शिया ईरान पर ट्रंप प्रशासन से कार्रवाई चाहते होंगे।

ईरान भी रूस चीन पर आश्रित है; तो वेनेजुएला की तरह यदि ईरान का अमेरिका ने टेकओवर किया, तो विश्व राजनीति में अकल्पनीय धमाल होगा। उससे पाकिस्तान, भारत, रूस, दक्षिण एशिया–सब प्रभावित होंगे। इसलिए 2026 की शुरुआत असाधारण है। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन पर दुनिया चाहे जो कहे, हल्ला करे–पर ट्रंप रुकने वाले नहीं हैं। पिछले वर्ष उन्होंने व्यापार अर्थिकी के मोर्चे पर दुनिया को घायल किया; तो इस वर्ष वे सामरिक भूराजनीतिक मोर्चे में हैरान परेशान करने वाले हैं। नोट रखिए–कोई कुछ नहीं कर सकता। इसलिए क्योंकि अमेरिकी व्यवस्था का कोई तोड़ नहीं है।

कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन

हमारी रसोई में उपलब्ध हल्दी वो औषधि है, जो देसी नुस्खों और उपायों में रामबाण के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन बेहद लाभकारी माना गया है लेकिन कहते हैं न कि एक निश्चित मात्रा से अधिक औषधि का सेवन भी जहर के समान है, हल्दी दूध के अधिक सेवन में भी यही बात लागू होती है।

अगर सेहत बनाने के लिए आप भी हल्दी वाले दूध का सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए। दरअसल, हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है, तो वहीं कुछ विशेष परिस्थिति में तो ये घातक भी हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि आखिर हल्दी वाले दूध के अधिक सेवन से किस तरह की शारीरिक समस्याएं पेश आ सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी

आप पौष्टिकता के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं लेकिन आपको पता होना चाहिए इसकी अधिकता के कारण शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन नामक कंपाउंड, शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा बनता है। इसलिए जो लोग आयरन की कमी से जूझ रहे हैं, लोगों को खासतौर पर सीमित मात्रा में हल्दी वाले दूध का सेवन करना चाहिए।

लिवर की समस्या

हल्दी वाले दूध के सेवन का कारण लिवर की समस्या भी हो सकती है। असल में हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर में सूजन पैदा करता है, जिसके कारण लिवर की समस्या हो सकती है।

पेट की समस्याएं

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन शरीर के पीएच को प्रभावित करता है, जिसके कारण पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको हल्दी वाले दूध का सेवन से बचना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक

हल्दी वाले दूध का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक माना जाता है। एक्सपर्ट की माने तो हल्दी के अधिक सेवन से गर्भाशय में ऐंठन, दर्द हो सकता है। वहीं कई बार इसके चलते ब्लीडिंग की भी समस्या हो जाती है। इसीलिए डॉक्टर्स प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाले दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं।

शरीर में एलर्जी की प्रतिक्रिया

वहीं हल्दी दूध के अधिक सेवन से आपको एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं, दरअसल हल्दी में पाए जाने वाले कंपाउड्स के चलते कुछ लोगों को स्किन पर रैशेज और सांस लेने में दिक्कत भी होती है। इसलिए अगर आपकी बॉडी एलर्जिक है तो आपको हल्दी वाले दूध के सेवन से परहेज करना चाहिए।

मेनिनजाइटिस इंफ्लामेशन काफी खतरनाक साबित हो सकती है। यह इंफेक्शन के कारण होता है। अगर इसका इलाज ना किया जाए तो शरीर की कुछ क्षमताएं खत्म हो सकती हैं। इसलिए इसके लक्षणों को कभी नजरअंदाज ना करें।

3 चीजों से बनता है मेनिनजाइटिस तुरंत चाहिए इलाज

दिमाग को बॉडी का प्रमुख कहा जाता है। यह शरीर के बाहरी और अंदरुनी सारे काम कंट्रोल करता है। अगर इसमें कोई भी खराबी आ जाए तो शरीर में भी खराबी आने लगती है। मेनिनजाइटिस भी दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी समस्या है। इसके अंदर दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के आसपास के मेंब्रेन में इंफ्लामेशन आ जाती है। इसमें मरीज को तुरंत इलाज की जरूरत पड़ती है वरना शरीर कई काम करने बंद कर सकता है। यह बीमारी काफी खतरनाक है, इस कारण वर्ल्ड मेनिनजाइटिस डे की तारीख 24 अप्रैल से 5 अक्टूबर बदल दी गई। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसमें शामिल हो सकें।

मेनिनजाइटिस होने के पीछे इंफेक्शन होते हैं। यह वायरल, बैक्टीरियल और फंगल इंफेक्शन की वजह से हो सकता है। वायरल इंफेक्शन सबसे ज्यादा मेनिनजाइटिस के लिए जिम्मेदार देखा गया है। हालांकि दूसरे इंफेक्शन ज्यादा खतरनाक रूप ले सकते हैं।

मेनिनजाइटिस के लक्षण

इसके लक्षण कारण पर निर्भर करते हैं। हालांकि, कुछ आम संकेत निम्नलिखित हैं, जो किसी और बीमारी के कारण भी हो सकते हैं।

- भूख मरना
- चिड़चिड़ापन
- उल्टी
- डायरिया
- सांस की दिक्कत
- सिरदर्द
- बुखार
- गर्दन में अकड़न
- लाइट से सेंसिटिविटी
- ज्यादा नींद आना

बच्चों में मेनिनजाइटिस

यह इंफ्लामेशन छोटे बच्चों को भी हो सकती है। उनके अंदर निम्नलिखित लक्षण दिख सकते हैं।

- बुखार
- शरीर में अकड़न
- तेज रोना
- बच्चा शांत ना होना
- ज्यादा सोना
- चल ना पाना
- चिड़चिड़ापन

शरीर ये काम कर देता है बंद

मेनिनजाइटिस के कारण शरीर को काफी नुकसान झेलना पड़ सकता है। अगर इसका इलाज ना किया जाए तो सुनने की क्षमता, याददाश्त, देखने की क्षमता कम हो जाती है। इसकी वजह से दौरा पड़ना, माइग्रेन, ब्रेन डैमेज, सबड्यूरल एम्पायमा, हाइड्रोसेफालस भी हो सकता है।

फैल भी सकता है मेनिनजाइटिस

मेनिनजाइटिस संक्रामक भी हो सकता है। इसके कुछ प्रकार एक मरीज से दूसरे मरीज तक फैल सकते हैं। मरीज के खांसने, छींकने या चुंबन लेने से यह स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित बना सकता है। इंफेक्शन फैलाने वाले मरीजों में यह वायरस या बैक्टीरिया अक्सर गले या नाक में मौजूद रहता है।

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए अपनाए ये घरेलू उपाय

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है। नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है।

मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

न जिम-न डाइटिंग, हल्दी से अंदर धंसेगी लटकती तोंद

अगर आप सोच रहे हैं कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत हैं। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ-साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं। वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते हैं।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

- मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।
- इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें
- जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें
- सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें।
- अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं

हाइड्रेट और रीहाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका है पानी

पानी सबसे जरूरी पोषक तत्व है और पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. वास्तव में पानी को जीवन के लिए अमृत कहा गया है। ऐसे में जरूरी है कि आप पानी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानें क्योंकि पानी मनुष्य के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा बनाता है और शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखकर जीवनशैली को स्वस्थ बनाता है।

प्यास लगना डीहाइड्रेशन का संकेत है, इसलिए जरूरी है कि आप दिन भर पानी पीते रहें। डीहाइड्रेशन के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की ताकत) कमजोर पड़ जाता है। वे लोग जो अधिक सक्रिय रहते हैं, शारीरिक व्यायाम करते हैं, खेलते हैं, उनमें पसीना ज्यादा बहता है, ऐसे में उनके लिए अपने शरीर को नियमित रूप से हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। शरीर से पानी ज्यादा निकल जाने से क्रैम्प्स पड़ने लगते हैं और शरीर लेक्टेट को बफर करने में सक्षम नहीं रहता। अक्सर देखा जाता है कि एथलीट्स और बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों को हाइपरथर्मिया हो जाता है या पानी की कमी एवं बहुत ज्यादा डीहाइड्रेशन के चलते उनका ब्लड प्रेशर गिर जाता है। ऐसी स्थिति में रीहाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। अगर आपमें डायरिया, कम पानी पीना, पेट में फ्लू, बहुत ज्यादा दवाएं लेना जैसी स्थितियां हैं या आपने पिछली रात ज्यादा शराब का सेवन किया है तो ऐसे में शरीर को रीहाइड्रेट करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है। रीहाइड्रेशन ओरल माध्यम से या इन्ट्रावीनस तरीके से किया जा सकता है। हममें से ज्यादातर लोग पानी पीने पर ठीक से ध्यान नहीं देते। दिन भर चलने वाले वर्चुअल मीटिंग्स, असाइनमेन्ट और घर के कामों के बीच अक्सर हम पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने पास पानी की बोतल रख या हेल्थ ऐप के जरिए रिमाइंडर लगाकर बार-बार पानी पीते रहना चाहिए।

कोशिका की संरचना में पानी का महत्व

कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है, यह बालों, त्वचा और नाखुनों की कोशिकाओं का अभिन्न हिस्सा है। पानी कोलाजन के उत्पादन में मदद कर कोशिकाओं की उम्र बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा, पानी जोड़ों एवं रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी जरूरी है क्योंकि पानी शरीर में लुब्रिकेन्ट की भूमिका निभाता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों के बीच फ्रिक्शन कम होता है।

शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करता है

शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए तरल का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके शरीर में एंजाइम ठीक से काम करते रहें, इसके लिए शरीर का तापमान सामान्य बना रहना बहुत जरूरी है, अगर ऐसा नहीं होगा तो शरीर के सभी काम रूक जाएंगे।

पाचन में मदद करता है

अक्सर लोग ये सवाल पूछते हैं 'पानी पीने का सही समय क्या है? खाना खाने से पहले? खाना खाने के बाद? खाना खाने के दौरान? इन तीनों समय में पानी पीने से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। पानी पीने से सलाईवा यानि लार की सही मात्रा बनती है, लार में इलेक्ट्रोलाईट, म्यूकस और एंजाइम होते हैं जो भोजन पचाने में मदद करते हैं और मुख के स्वास्थ्य को सामान्य बनाए रखते हैं। भोजन का पाचन मुख में ही शुरू हो जाता है और उम्र बढ़ने के साथ लार का उत्पादन कम मात्रा में होने लगता है। अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपका मुंह सूख रहा है तो ज्यादा मात्रा में पानी पीना शुरू कर दें।

शरीर में फैट यानि वसा को बर्न करने में मदद करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि पानी का सेवन सही मात्रा में करने से शरीर की वसा को बर्न करने में मदद मिलती है, इस तरह यह वजन कम करने में भी मददगार है।

OPPO India ने ट्रैवल फोटोग्राफी को बेहतर बनाने के लिए ऑल-न्यू Reno15 सीरीज़ पेश की, जिसमें है, ए.आई पोर्ट्रेट कैमरा, प्योरटोन टेक्नोलॉजी और पॉपआउट

नई दिल्ली: आज OPPO इंडिया ने अपनी प्रीमियम Reno15 सीरीज़ में तीन वैरिएंट, Reno15 Pro, Reno15 Pro Mini, और Reno15 लॉन्च किए। यह सीरीज़ युवा यात्रा प्रेमियों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए तैयार की गई है। इसमें एडवांस्ड कैमरा सिस्टम, इंटैलिजेंट AI और सटीक इंजीनियरिंग के साथ बेहतरीन डिज़ाइन दिया गया है। अपनी तरह की पहली HoloFusion टेक्नोलॉजी और प्राकृतिक तत्वों से प्रेरित कलर फिनिश के साथ, Reno15 सीरीज़ में मजबूत बिल्ड क्वालिटी के साथ कॉम्पैक्ट और एर्गोनॉमिक फॉर्म फैक्टर है। Reno15 Pro और Reno15 Pro Mini में असाधारण फोटोग्राफी के लिए 200MP का कैमरा दिया गया है, जो 50MP 3.5× ऑप्टिकल ज़ूम लेंस, 120× तक डिजिटल ज़ूम, PureTone इमेजिंग टेक्नोलॉजी और AI एडिटिंग टूल्स की मदद से बहुत साफ इमेज कैप्चर करता है। Reno15 सीरीज़ के बारे में OPPO इंडिया के हेड ऑफ कम्युनिकेशंस, गोल्डी पटनायक ने कहा, भारत में OPPO के 100 मिलियन से अधिक यूज़र हैं। इसलिए हमने करीब से देखा है कि खासकर कैमरा सिस्टम, इंट्यूटिव AI, विशेष डिज़ाइन लैंग्वेज और यूज़र एक्सपीरियंस के मामले में ग्राहकों की अपेक्षाएं कैसे प्रीमियम अनुभवों की ओर विकसित हुई हैं। Reno सीरीज़ का लगातार विकास ग्राहकों की इन अपेक्षाओं को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करता है, क्योंकि ग्राहक ऐसी डिवाइस चाहते हैं, जो उन्हें छोटे-मोटे नहीं बल्कि ठोस अपग्रेड प्रदान करें। Reno15 सीरीज़ के माध्यम से हम उन्हें अत्याधुनिक इमेजिंग सिस्टम, बेहतर AI क्षमताएं और बेहतरीन ऑल-राउंड परफॉर्मेंस प्रदान कर रहे हैं।

भारत की सबसे तेजी से बढ़ती इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल निर्माता ओबेन इलेक्ट्रिक को ज़ी टीवी IdeaBaaz की पहली सक्सेस स्टोरी के तौर पर दिखाया गया

बिलासपुर: भारत की तेजी से बढ़ती इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी ओबेन इलेक्ट्रिक (Oben Electric) को ज़ी टीवी चैनल के स्टार्टअप रियलिटी शो IdeaBaaz में पहली सक्सेस स्टोरी के रूप में दिखाया गया है। यह सम्मान एक ऐसी भारतीय कंपनी को मिला है, जिसने मजबूत रिसर्च और डेवलपमेंट (R&D) के दम पर ऑटोमोबाइल जैसे मुश्किल और बड़े निवेश वाले सेक्टर में पूरे देश में अपना कारोबार खड़ा किया है। इन उपलब्धियों के पीछे मेहनत, धैर्य और जज्बे की एक इंसानी कहानी है। बड़े सपनों और एक साझा सोच के साथ एक छोटे से गैराज में शुरू हुआ यह सफर आज भारत की सबसे तेजी से बढ़ने वाली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल कंपनी बन चुका है। महिला नेतृत्व वाली फाउंडिंग टीम मधुमिता अग्रवाल (Founder & CEO), दिनकर अग्रवाल (Founder, CTO & COO) और सागर ठक्कर (Co-founder & CPO) ने अपने पुराने उद्यमी अनुभव और EV और R&D की गहरी समझ के सहारे कंपनी को बिल्कुल शुरुआत से खड़ा किया। इस दौरान उन्होंने तकनीकी जटिलताओं का सामना किया, मजबूत सप्लाई चेन तैयार की और मैन्युफैक्चरिंग को बड़े स्तर तक पहुंचाया लेकिन अपने लक्ष्य से कभी समझौता नहीं किया। उनका मकसद दुनिया के लिए एक भरोसेमंद, हाई क्वालिटी वाला मेड इन इंडिया इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल ब्रांड बनाना रहा और तकनीकी चुनौतियों से निपटने व बेहतर ऑपरेशनल सिस्टम बनाने का उनका एक्सपीरियंस दिखाता है कि जीरो से एक तेजी से बढ़ने वाली कंपनी कैसे खड़ी की जा सकती है। इस एपिसोड में ओबेन इलेक्ट्रिक द्वारा इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स में LFP बैटरी टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को खास तौर पर दिखाया गया है, जो शहरों में ज्यादा सुरक्षित, लंबी उम्र वाली और भरोसेमंद राइडिंग एक्सपीरियंस देती है। ओबेन इलेक्ट्रिक एक पूरी तरह मेड इन इंडिया इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल OEM है, जिसने पुराने और बड़े खिलाड़ियों से भरे ऑटोमोबाइल सेक्टर में अपनी मजबूत इंजीनियरिंग, मैन्युफैक्चरिंग और एग्जीक्यूशन कैपेसिटी तैयार की हैं। बेंगलुरु स्थित अपनी फैसिलिटी में मोटरसाइकिल डिजाइन करने से लेकर जरूरी EV कंपोनेंट्स बनाने तक सब कुछ इन-हाउस करने की वजह से कंपनी के पास टेक्नोलॉजी और प्रोडक्शन पर पूरा कंट्रोल है। इससे तेज इनोवेशन, लगातार अच्छी क्वालिटी और बड़े लेवल पर ग्रोथ संभव हो पाई है और इसी वजह से पूरे भारत में एक जटिल, टेक्नोलॉजी आधारित बिजनेस को सफलतापूर्वक स्केल करने की कैपेसिटी के लिए ओबेन इलेक्ट्रिक ने IdeaBaaz का ध्यान खींचा है। इस सम्मान पर प्रतिक्रिया देते हुए ओबेन इलेक्ट्रिक की फाउंडर और सीईओ मधुमिता अग्रवाल ने कहा, 'ओबेन इलेक्ट्रिक की शुरुआत इस विश्वास के साथ हुई थी कि टिकाऊ विकास मजबूत R&D, टेक्नोलॉजी पर पूरा कंट्रोल और हर काम में ऑपरेशनल डिसिप्लिन से ही आता है।

अलोकतांत्रिक सरकार ने देश को अराजकता के हवाले कर दिया: हसीना

यूनुस सरकार पर उठाए सवाल

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अंतरिम सरकार और उसके प्रमुख मोहम्मद यूनुस पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि एक कभी स्थिर और विकासशील देश को अलोकतांत्रिक शासन के हाथों व्यवस्थित रूप से बर्बाद किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि आज बांग्लादेश में आतंक और डर के जरिए राजनीति हावी हो चुकी है, जबकि कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

उस्मान हादी की हत्या पर शेख हसीना ने क्या कहा?: पिछले 17 महीनों से भारत में रह रहीं शेख हसीना ने दैनिक जागरण के सहायक संपादक जयप्रकाश रंजन से एक ऑनलाइन साक्षात्कार में कहा कि शरीफ उस्मान हादी की हत्या और उसके बाद की घटनाएं अंतरिम सरकार की पूरी विफलता को उजागर करती हैं। उनके अनुसार, यह हत्या बीएनपी, जमात और एनसीपी के बीच चुनावी

प्रतिद्वंद्विता का नतीजा थी, लेकिन सरकार की प्रतिक्रिया ने स्थिति को संभालने के बजाय और बिगाड़ दिया। बांग्लादेश में डर व धमकाने की बढ़ती राजनीति पर भी उन्होंने अपनी चिंता जताई है। शेख हसीना ने कहा, जब किसी सरकार के पास वैध जनादेश नहीं होता, तो सामान्य कानून-व्यवस्था की समस्याएं भी राष्ट्रीय संकट में बदल जाती हैं। अंतरिम सरकार न तो लोगों को भरोसा दिला सकी और न ही निष्पक्ष व तेज जांच करा पाई। नतीजा यह हुआ कि संदेह, गुस्सा और हिंसा बढ़ती चली गई। पूर्व प्रधानमंत्री ने मीडिया संस्थानों पर हुए हमलों को लोकतंत्र पर सीधा हमला बताया। उन्होंने कहा कि जिस समय शोक और आत्ममंथन का होना चाहिए था, उस समय चरमपंथियों ने हिंसा और तोड़फोड़ का रास्ता अपनाया। शेख हसीना ने कहा, मेरे कार्यकाल में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान किया गया। असहमति को दबाया नहीं गया, बल्कि सुना गया। आज पत्रकार डर के साए में काम करने को मजबूर हैं। देश में बढ़ती लक्षित हिंसा पर चिंता जताते हुए शेख हसीना ने कहा कि हाल ही में एक छात्र नेता (उस्मान हादी) की गोली मार कर हत्या करना किसी एक घटना का मामला नहीं है, बल्कि यह एक खतरनाक पैटर्न का हिस्सा है। पूर्व पीएम के अनुसार, पिछले 18 महीनों में हमने देखा है कि कैसे एक पूरी तरह अलोकतांत्रिक व्यवस्था ने एक स्थिर देश को अराजकता की ओर धकेल दिया है। रोजमर्रा की हिंसा सामान्य हो गई है और अधिकारी या तो आंख मूंदे हुए हैं या फिर परोक्ष रूप से इसे बढ़ावा दे रहे हैं। अल्पसंख्यकों की स्थिति पर बोलते हुए शेख हसीना ने हिंदू गारमेंट मजदूर दीपु चंद्र दास की भीड़ द्वारा हत्या को भयावह और शर्मनाक बताया। उन्होंने कहा, धर्म के नाम पर हिंसा बांग्लादेश की मूल भावना के खिलाफ है।

हिंसक झड़प में 4 लोगों की मौत

अफगानिस्तान में सोने के लिए खून-खराबा

काबुल, एजेंसी। उत्तरी अफगानिस्तान में स्थानीय

निवासियों और सोना खनन कंपनी के संचालकों के बीच झड़प में चार लोगों की मौत हो गई और पांच अन्य घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन काने ने बताया कि मंगलवार को तखर प्रांत के 'चाह अब जिले में हिंसा में तीन स्थानीय निवासी और कंपनी का एक कर्मचारी मारा गया। उन्होंने यह नहीं बताया कि झड़प किस वजह से हुई या कंपनी का मालिक कौन है। काने की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि इस मामले में कंपनी के एक सुरक्षा कर्मचारी और एक सथानीय निवासी को गिरफ्तार किया गया है।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने तुरंत व्यवस्था बहाल की और तखर के उप राज्यपाल ने भी स्थिति का जायजा लेने के लिए जिले का दौरा किया।

ईरान में स्थिति बेहद गंभीर, अज्ञात हमलावरों ने गाड़ी का पीछा कर पुलिसकर्मी को दी खौफनाक मौत

तेहरान, एजेंसी। ईरान में आर्थिक संकट की वजह से स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। इस बीच सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें देखा जा सकता है कि दक्षिण-पूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में अज्ञात हमलावरों ने ड्राइव-बाय शूटिंग में एक पुलिसकर्मी को मार डाला।

पिछले महीने तेहरान में व्यापारियों द्वारा बढ़ती कीमतों और रियाल की कीमत गिरने के विरोध प्रदर्शन करने के बाद ईरान में अशांति फैल गई, जिससे दूसरे शहरों में भी इसी तरह की कार्रवाई की लहर शुरू हो गई। ये प्रदर्शन ईरान के 31 में से कम से कम 25 प्रांतों में फैल गए, जिसमें सुरक्षाबलों सहित दर्जनों लोग मारे गए।

फायरिंग का वीडियो वायरल: इस बीच एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें दिख रहा है कि एक अज्ञात हमलावर पुलिस की गाड़ी पर तब तक गोलियां चलाता है जब तक पुलिस की गाड़ी सड़क से उतरकर दुर्घटनाग्रस्त नहीं हो गई। यह वीडियो हमलावर की गाड़ी से शूट किया गया है, जिसमें वह खिड़की से बाहर झुका दिख रहा है और सिर्फ बंदूक की नोक दिखाई दे रही है और वह लगातार पुलिस की गाड़ी पर गोलियां चला रहा है।

ईरानी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, मारे गए पुलिसकर्मी की पहचान ईरानशहर में सुरक्षा बलों के सदस्य महमूद हकीकत के रूप में हुई है। इससे पहले बुधवार को ईरानशहर काउंटी के कानून प्रवर्तन बलों के एक कर्मी पर भी अज्ञात लोगों ने गोलियां चलाई थी, जिसमें उसकी मौत हो गई थी। आतंकवादी समूह जैश-अल-अदल जो खुद को जातीय बलूच अल्पसंख्यक के लिए अधिकारों की मांग करने वाला बताता है, उसने कथित तौर पर इस हमले की जिम्मेदारी ली है। कई छोटे बलूच अर्धसैनिक समूहों के साथ हाथ मिलाया है। राजधानी तेहरान के पास अशांति के दौरान चाकूबाजी में एक और ईरानी पुलिस कर्मी की मौत हुई है। देश में आर्थिक संकट को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों का दौर 12वें दिन में प्रवेश कर गया है। फार्स समाचार एजेंसी के मुताबिक, तेहरान के पश्चिम में मलार्ड काउंटी में पुलिस बल के सदस्य शाहिन देहगान अशांति को नियंत्रित करने के दौरान चाकूबाजी की घटना का शिकार हो गए और उनकी मौत हो गई।

नेपाल की तरह पाकिस्तान में विरोध का खतरा?

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में भड़कने वाली विरोध की आग को सेना जबरन शांत करवा देती है। मगर, इस बार पड़ोसी मुल्क में जेन-जी का गुस्सा भड़कने लगा है। इसकी वजह है अमेरिका में छपा एक लेख, जिसे बाद में डिलीट करवा दिया गया। ये लेख पाकिस्तान के ही एक छात्र का था, जिसने बरसों से दबी जेन-जी की चिंगारी को हवा दे दी है। अमेरिका में पीएचडी करने वाले पाकिस्तानी छात्र जोरैन निजामानी ने पाकिस्तानी अखबार द एक्सप्रेस ट्रिब्यून में 1 जनवरी सबकुछ खत्म हुआ टाइटल से एक लेख छपवाया था। पाक सेना के दबाव से इस लेख को हटवा दिया गया।

जोरैन निजामानी अमेरिका के अरकंसास विश्वविद्यालय से क्रिमिनोलॉजी में पीएचडी कर रहे हैं। अपने लेख में उन्होंने लिखा, पाकिस्तान में जो भी उम्रदराज लोग सत्ता में हैं, उनका खेल खत्म हो चुका है। युवा पीढ़ी आपके

झांसे में नहीं आ रही है। आप स्कूल और कॉलेजों में कितने भी सेमिनार कर लें, लेकिन आप युवाओं में देशभक्ति की भावना नहीं जगा सकते हैं। समान अवसर, मजबूत बुनियादी ढांचा और कुशल तंत्र होने पर देशभक्ति अपने आप आ जाती है। जब आप अपने लोगों की बुनियादी सुविधाओं का ध्यान रखेंगे, लोगों के अधिकार सुनिश्चित करेंगे, तो आपको स्कूल-कॉलेज में जाकर स्टूडेंट्स को बताना नहीं पड़ेगा कि आप अपने देश से प्यार करें।

सीईएस-2026 में बढ़ेगी भारतीय टेक कंपनियों की धमक, अल्ट्राह्यूमन जैसे स्टार्टअपस लाएंगे नवाचार

लंदन, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े प्रौद्योगिकी मेले कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो (सीईएस) में भारतीय कंपनियों और

स्टार्टअप की उपस्थिति लगातार बढ़ रही है। आने वाले वर्षों में भारतीय टेक एवं स्टार्टअप कंपनियों की भागीदारी और बढ़ने की उम्मीद है। सीईएस के उपाध्यक्ष जॉन केली ने कहा, आप कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स शो में भाग लेने वाले भारतीय स्टार्टअप की संख्या में लगातार वृद्धि देख रहे हैं। निश्चित रूप से, हम आने वाले वर्षों में व्यापक भारतीय भागीदारी का स्वागत करते हैं।

केली ने विशेष रूप से बंगलूरू स्थित प्रौद्योगिकी एवं वियरेबल कंपनी अल्ट्राह्यूमन का जिक्र किया। कहा, हम सीईएस-2026 में उनका स्वागत कर वास्तव में उत्साहित हैं। अल्ट्राह्यूमन के उत्पादों में दुनिया का सबसे हल्का स्लीप-ट्रैकिंग वियरेबल (स्मार्ट रिंग), एक निरंतर ग्लूकोज मॉनिटरिंग मंच (कंटीन्यूअस ग्लूकोज मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म) और एक प्रिवेंटिव ब्लड टेस्टिंग प्लेटफॉर्म शामिल हैं।

कंज्यूमर टेक्नोलॉजी एसोसिएशन के कार्यकारी प्रमुख गैरी शापिरो ने कहा कि 9 जनवरी तक चलने वाले इस शो में वैश्विक कंपनियां, स्टार्टअप और उद्योग जगत के लोग शिरकत कर रहे हैं। केली ने बताया, इस साल सीईएस में करीब 150 देशों की भागीदारी है। कई भारतीय कंपनियां, स्टार्टअप और व्यापार संवर्धन संगठन भी भाग ले रहे हैं। वैश्विक भागीदारी: शो में उपस्थित 40 फीसदी लोग और प्रदर्शन अमेरिका से बाहर के।

नवाचार पर जोर: करीब 4,000 से अधिक प्रदर्शक डिजिटल हेल्थ, ऊर्जा, रोबोटिक्स, एआई और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों में अपना नवाचार दिखा रहे हैं।

1,300 से ज्यादा वक्ताओं की मौजूदगी। 400 से अधिक सत्रों का आयोजन होगा। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक शो में 2024 में पहला भारतीय मंडप बनाया गया था। सीईएस की वेबसाइट के मुताबिक, कई भारतीय कंपनियां और स्टार्टअप इस बार अपनी तकनीक एवं नवाचार का प्रदर्शन कर रही हैं।

नॉइज (गुरुग्राम): प्रमुख ग्लोबल स्मार्टवॉच ब्रांड। आर्व्या एक्स टेक्नोलॉजीज (भोपाल): स्यूडो-रियलिटी फर्म। आबो: एआई-संचालित स्वास्थ्य समाधानों में विशेषज्ञ मेडटेक कंपनी। सोना कॉमस्टार: ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी कंपनी।

● सोने से भी महंगा क्यों था बैंगनी रंग, एक गलती जिसने बदल दिया इतिहास

ये है वो देश जहां बैंगनी रंग पहनने पर मिलती है मौत की सजा

लंदन , एजेंसी। आज के समय में बैंगनी रंग का कपड़ा पहनना बहुत सामान्य बात है लेकिन इतिहास में एक दौर ऐसा भी था जब इस रंग को पहनने की गलती करने पर किसी भी आम इंसान को सरेआम मौत की सजा दी जा सकती थी। प्राचीन रोमन साम्राज्य से लेकर एलिजाबेथ के शासनकाल वाले इंग्लैंड तक बैंगनी रंग सिर्फ एक फैशन नहीं बल्कि शक्ति और राजशाही का सबसे बड़ा प्रतीक था।

प्राचीन समय में बैंगनी रंग की कीमत हीरे-जवाहरात से भी कहीं ज्यादा थी। इसकी दुर्लभता के पीछे एक चौंकाने वाली वजह थी। उस दौर में आज की तरह केमिकल वाले रंग नहीं होते थे। मशहूर टायरियाई बैंगनी रंग भूमध्य सागर में पाए जाने वाले म्यूरेक्स नाम के एक समुद्री घोंघे से निकाला जाता था। इस रंग को बनाने की प्रक्रिया इतनी जटिल थी कि मात्र एक ग्राम रंग तैयार करने के लिए लगभग 9,000 घोंघों की जान लेनी पड़ती थी। अपनी इसी दुर्लभता के कारण बैंगनी कपड़ा सोने के वजन के बराबर या उससे भी महंगा बिकता था। प्राचीन रोम-रोमन कानून के अनुसार केवल सम्राट और उनके परिवार के सदस्य ही पूरी तरह से बैंगनी रंग के कपड़े पहन सकते थे। अगर कोई आम नागरिक ऐसा करता पाया जाता तो इसे राजद्रोह माना जाता था और उसे फांसी की सजा तक दी जा सकती थी।एलिजाबेथ प्रथम ने भी इंग्लैंड में सुम्पट्यूरी कानून लागू किए। ये कानून तय करते थे कि व्यक्ति अपनी सामाजिक हैसियत के हिसाब से क्या पहन सकता है। बैंगनी रंग को केवल शाही परिवार के लिए सुरक्षित रखा गया। नियम तोड़ने वालों को भारी जुर्माना, जेल या संपत्ति की जब्ती का सामना करना पड़ता था। हजारों सालों से चला आ रहा यह शाही एकाधिकार साल 1856 में एक वैज्ञानिक प्रयोग के दौरान अचानक खत्म हो गया। मात्र 18 साल के एक केमिस्ट विलियम हेनरी पर्किन मलेरिया की दवा (कुनैन) बनाने की कोशिश कर रहे थे।

रामा ग्रुप ने रायपुर में प्रीमियम सस्टेनेबल प्लॉटेड रेसिडेंशियल डेवलपमेंट 'रामा ग्रीन्स प्राइम' लॉन्च किया

रायपुर। रामा ग्रुप ने अटल एक्सप्रेसवे, फुंडर चौक, रायपुर में स्थित 48 एकड़ के प्रीमियम प्लॉटेड रेसिडेंशियल डेवलपमेंट 'रामा ग्रीन्स प्राइम' के लॉन्च की घोषणा की है। एक उन्नत और बेहतर कनेक्टिविटी वाले रेसिडेंशियल सेंचुरी के रूप में डिजाइन किया गया यह प्रोजेक्ट आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रकृति-केंद्रित योजना के साथ एकीकृतकरता है, जो आराम, वेलनेस और एक्सेसिबिलिटी पर आधारित रिफाइंड लाइफस्टाइल प्रदानकरता है।

अटल एक्सप्रेसवे परस्ट्रैटेजिकली स्थित रामा ग्रीन्स प्राइम को रायपुर के प्रमुख डेस्टिनेशन जैसे वीआईपी रोड, तेलीबांधा,डूमरतराई रोड, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट, प्रमुख मॉल, होटल और लीडिंग एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स से सीधी कनेक्टिविटी प्राप्त है, जो इसे कंटेम्पररी अर्बनलिविंग के लिए एक अत्यंत आकर्षक पता बनाती है। इस डेवलपमेंट में 147 प्रीमियम रेसिडेंशियल प्लॉट शामिल हैं, जो 10 लाख वर्ग फुट से अधिक के प्लॉटेड क्षेत्र में फैले हुए हैं। एक शांत और नेचर-अलाइंड कम्युनिटी के रूप में एन्विजन्ड रामा ग्रीन्स प्राइम में एक्सपैंसिव लैंडस्केप्ड जोन, सोच-समझकर नियोजित सुविधाएं और शहर के सबसे तेजी से विकसित हो रहे रेसिडेंशियल कॉरिडोर में एक्सीलेंट कनेक्टिविटी प्रदान की गई है।

रामा ग्रीन्स प्राइम मॉडर्न्प लानिंग और नेचुरल हार्मनी का सहज मिश्रण दर्शाता है। शहर की हलचल से दूर एक शांत आश्रय के रूप में कल्पित यह कम्युनिटी निवासियों को खुले स्थानों, हरियाली औरवाटरफीचर्स का आनंद लेने का अवसर देती है, साथ ही रायपुर के शहरी इकोसिस्टम से निकटता भी बनाएरखती है। लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, रामा ग्रुप के डायरेक्टर श्री प्रखर अग्रवाल ने कहा, रामा ग्रीन्स प्राइम हमारी उस सोच को दर्शाता है, जिसके तहत हम ऐसे सुविचारित रेसिडेंशियल कम्युनिटीज बनाते हैं जो प्राकृतिक शांति और मजबूत शहरी कनेक्टिविटी के बीच संतुलन स्थापितकरती हैं। हमारा फोकस विशाल रहने की जगह, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर और आधुनिक सुविधाएं प्रदान करने पर है, साथ हीलॉन्ग-टर्म रहने योग्य वातावरण और स्थिरता सुनिश्चित कर रहा है। इस विकास के हर पहलू को दैनिक जीवन को बेहतर बनाने और हमारे ग्राहकों को स्थायी मूल्य प्रदान करने के लिए सावधानीपूर्वक नियोजित किया गया है। रामा ग्रीन्स प्राइम का इंफ्रास्ट्रक्चर सुगम आवागमन, स्थिरता और सुविधा पर विशेष जोर देकर डिजाइन किया गया है। 18 और 24 मीटर चौड़ी अप्रोच रोड के माध्यम से प्रवेश की व्यवस्था की गई है, जिसमें सीमलेस सर्कुलेशन के लिए11 से 12 मीटर चौड़ाई की इंटरनल रोड हैं। इस प्रोजेक्ट में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, वाटर रिसाइक्लिंग सिस्टम, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और संगठित कचरा प्रबंधन जैसी प्रमुख स्थिरता शामिल हैं, जिनके माध्यम से पूरे लेआउट में इको-कॉन्शस योजना को एकीकृत किया गया है। कम्युनिटी के केंद्र मेंप्रमुख रूप से प्रीमियम लाइफस्टाइल और वेलनेस सुविधाएं हैं। इनमें जिम, योगा और जुम्बा ज़ोन वाला मॉडर्न क्लब हाउस, स्विमिंग पूल, बच्चों के लिए एक्टिविटी एरिया, जॉगिंग ट्रैक, आउटडोर जिम और टेनिस कोर्ट व दो बैडमिंटन कोर्ट सहित समर्पित खेल सुविधाएं शामिल हैं। एक मंदिर, एक्सपैंसिव ग्रीन लैंडस्केप्स, मशरूम-कॉलम फीचर्स और कई वाटरफॉल्स वातावरण को और अधिक आकर्षक बनाते हैं, जिससे परिवारों के लिए एक समग्र और ताज़गीपूर्ण लिविंग एन्वायर्नमेंट तैयार होता है।

प्रीमियम योजना, वेलनेस-केंद्रित सुविधाओं, स्थिरता और रणनीतिक कनेक्टिविटी पर अपने फोकस के साथ, रामा ग्रीन्स प्राइम रायपुर के विकसित होते रियल एस्टेट परिदृश्य में एक प्रमुख रेसिडेंशियल डेस्टिनेशन के रूप में उभरने की स्थिति में है और होमबायर्स को गुणवत्ता, आराम और लॉन्ग-टर्मवैल्यूके साथ एक फ्यूचर-रेडी पता प्रदान करता है।

खबर-खास

12 जनवरी को युवा दिवस का आयोजन, स्वामी विवेकानंद जयंती पर जिलेभर के विद्यार्थी होंगे शामिल

राजनांदगांव (समय दर्शन)। स्वामी विवेकानंद जी की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी 2026 को गांधी सभा गृह में मनाया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार जिला राजनांदगांव द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान किया जाएगा। युवा दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता, काव्य पाठ एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें जिले के समस्त स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थी भाग लेंगे। कार्यक्रम के दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण किया जाएगा। साथ ही आत्मनिर्भर भारत और नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई जाएगी तथा स्वामी विवेकानंद जी के विचारों एवं उनके योगदान पर चर्चा होगी।

प्रतियोगिताओं में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागी ही शामिल हो सकेंगे। काव्य पाठ और भाषण प्रतियोगिता के लिए प्रतिभागियों को 5-5 मिनट का समय दिया जाएगा। काव्य पाठ का विषय उठो, जागो : स्वामी विवेकानंद जी का अमर संदेश रहेगा, जिसे हिंदी या छत्तीसगढ़ी भाषा में प्रस्तुत किया जा सकेगा। वहीं भाषण हिंदी या अंग्रेजी में होगा, जिसका विषय स्वामी विवेकानंद जी युवाओं के प्रेरणास्त्रोत एवं राष्ट्रनिर्माण के पथप्रदर्शक रहेगा।

रंगोली प्रतियोगिता के लिए 45 मिनट का समय निर्धारित किया गया है। इसका विषय युवा शक्ति एवं स्वामी विवेकानंद जी पर आधारित होगा। आयोजकों ने बताया कि सभी प्रतिभागियों को प्रतियोगिता से संबंधित सामग्री स्वयं लानी होगी तथा सहभागिता निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार ही मान्य होगी।

आयोजन का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रप्रेम, आत्मनिर्भरता और सकारात्मक सोच का विकास करना है।

प्रथम आगमन पर बीईओ रत्ना थवाईत का हुआ सम्मान

बिर्रा (समय दर्शन)। विकासखंड बम्हनीडीह के विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती रत्ना थवाईत का प्रथम बार शासकीय प्राथमिक शाला बिर्रा संकुल केंद्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिर्रा में आगमन होने पर शासकीय प्राथमिक शाला बिर्रा के समस्त शिक्षकों द्वारा विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्रीमती रत्ना थवाईत , विकासखंड खंड समन्वयक बम्हनीडीह हिरेंद्र बेहार और सुशील शर्मा के साथ उपस्थित हुए। इन सभी का शाल, श्रीफल और पुष्प गुच्छ से सम्मान कर स्वागत किया गया है। इस अवसर पर अरुण कश्यप, उमेश दुबे, लखन कश्यप, गुरु प्रसाद भतपरे , राम किशोर देवांगन, संतराम कश्यप एवं शाला के प्रधान पाठक श्रीमती मीनाक्षी कश्यप ,शिक्षक नोहर राम साहू, सरिता चौहान, पूजा पटेल के अलावा शिक्षक एवं शिक्षिका बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

सफलता की कहानी : धान उपार्जन से मिली राशि बनेगी घर मरम्मत का सहारा

दुर्ग (समय दर्शन)। ग्राम अछोटी निवासी किसान श्री नुलम साहू ने इस वर्ष अपने 2 एकड़ 30 डिसमिल

खेत में धान की फसल लगाया था। धान कटाई के बाद अब वे रबी फसल की तैयारी में जुट गए हैं। धान उपार्जन के तहत 40 क्विंटल धान का विक्रय किया है। किसान नुलम साहू अपनी पत्नी के साथ धान उपार्जन केंद्र कुथरेल पहुंचे। उपार्जन केंद्र में उनकी पत्नी शेड के नीचे बैठकर धान के कट्टों को निहारती नजर आईं। केंद्र पर उपलब्ध सुविधाओं को देखकर किसान और उनकी पत्नी प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यहां किसानों के लिए बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। शेड, पीने के पानी और शौचालय जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे किसानों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है।

इसके साथ ही केन्द्र में धान का उठाव भी किया जा रहा है। उपार्जन केंद्र पहुंचते ही धान की गुणवत्ता परीक्षण के बाद तौलाई की जा रही है। समिति के मजदूरों द्वारा प्राप्त बोरियों में धान भरकर उनकी सिलाई एवं तौलाई की सुविधा उपलब्ध है। तौलाई के पश्चात किसानों को तुरंत रसीद प्रदान की जा रही है, जिससे प्रक्रिया पारदर्शी बनी हुई है।

किसान नुलम साहू ने धान खरीदी की पारदर्शी व्यवस्था के लिए विष्णुदेव सरकार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया है। उन्होंने बताया कि खेती में धान की उपज अपेक्षाकृत कम हुई है, फिर भी शासन की उपार्जन व्यवस्था से उन्हें राहत मिली है। किसान नुलम साहू ने कहा कि धान बिक्री की पूरी प्रक्रिया सरल और सुव्यवस्थित है। किसान नुलम साहू ने यह भी बताया कि धान विक्रय से प्राप्त राशि से वे अपने घर की मरम्मत कराएंगे, जिससे परिवार को बेहतर रहने की सुविधा मिल सकेगी। खरीदी गई धान का भुगतान सीधे किसानों के बैंक खातों में किया जा रहा है। साथ ही धान खरीदी केंद्रों पर व्यवस्थाओं की सतत निगरानी के लिए अधिकारी तैनात हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

भिलाई विधायक देवेन्द्र यादव का विशु अजमानी के साथ युवाओं ने किया आत्मीय स्वागत

राजनांदगांव (समय दर्शन)। भिलाई विधानसभा क्षेत्र के विधायक देवेंद्र यादव बुधवार को राजनांदगांव पहुंचे। उनके स्वागत के लिए ग्राम टेड़ेसरा में स्थानीय युवाओं ने आत्मीय और सादगीपूर्ण आयोजन किया। इस दौरान विशु अजमानी, शुभम कासर, सागर ताम्रकारए तौसीफगोरी, हर्षिल हनी, अभि गुप्ता, अंशल श्रीवास्तव, रोशन परिहार और जीवेश सिन्हा समेत अन्य युवा कार्यकर्ताओं ने विधायक देवेंद्र यादव का फूलमालाओं और पुष्प-गुच्छ से अभिनंदन किया। स्वागत के बाद विधायक यादव का काफिला ग्राम पदुमतरा की ओर रवाना हुआ, जहां उन्होंने श्रीमद् भागवत कथा में भाग लिया। इस दौरान उनके साथ प्रदेश महासचिव युवा कांग्रेस मानव देशमुख और अन्य कांग्रेस पदाधिकारी भी शामिल थे। विधायक देवेंद्र यादव ने पदुमतरा में आयोजित श्रीमद्

भागवत कथा में श्रद्धालुओं के बीच पहुंचकर आयोजन का हिस्सा बने। कथा स्थल पर आयोजक समिति और स्थानीय श्रद्धालुओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। विधायक यादव ने कथा व्यास आचार्य पं. युवराज पांडेय जी महाराज से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया और आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा, इस प्रकार के धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं और आपसी सद्भाव को बढ़ावा देते हैं। कथा आयोजन में पदुमतरा और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। पूरे परिसर में भक्ति और श्रद्धा का माहौल छाया रहा। आयोजन में ग्रामीणों, युवाओं और बुजुर्गों की जबरदस्त सहभागिता देखने को मिली, जिससे सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक एकता का मजबूत संदेश दिया गया।

धार्मिक आस्था के साथ-साथ इस आयोजन ने समाज में एकता और भाईचारे की भावना को और भी प्रगाढ़ किया।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सारंगढ़ में आयोजित 5 दिवसीय एफएलएन आधारित नवीन पाठ्य पुस्तक पर शिक्षक प्रशिक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे के निर्देशानुसार जिले एनीमिया मुक्त के लिए अभियान चलाई जा रही है स्वामी आत्मानंद स्कूल सरसीवां में आयोजित 5 दिवसीय स्नस्न आधारित नवीन पाठ्य पुस्तक प्रशिक्षण में जहां 65 शिक्षकों की प्रशिक्षण चल रही है वहां जिले मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ एफआर निराला पहुंच कर सभी शिक्षकों को आयरन युक्त, एनीमिया मुक्त के बारे में विस्तार से बताया बच्चों को एनीमिया याने रक्त अल्पता (खून की कमी) होने से बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ता है इससे स्कूल की उपस्थिति से साथ वार्षिक रिजल्ट पर भी प्रभाव पड़ता है भारत सरकार की एक सर्वे रिपोर्ट ह्रस्न।।स् 5 के अनुसार 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों में खून की कमी की दर 67त्न है ,6 वर्ष से 9 वर्ष तक के बच्चे में खून की कमी की दर लगभग 60त्न है वैसे ही 10 वर्ष से 19 वर्ष के बालिकाओं में एनीमिया की दर 61.4त्न है आंगनवाड़ी एवं स्कूल के छात्र ,छात्राओं में खून की कमी बचपना में होने से शरीर में 4 प्रकार के प्रभाव डालता है जैसे 1ट्ठ ढ्ढक्त(दिमाक) में 5 से 10 त्न की कमी का होना 2 ट्ठसीखने एवं समझने में कमी होना 3ट्ठट्ठ शारीरिक एवं मानसिक विकास बाधित होना और 4 ट्ठट्ठ एकाग्रता में कमी ये 4 प्रकार से बच्चों की शरीर में प्रभाव पड़ता है जिसके कारण बच्चो की उपस्थिति ,उनके रिजल्ट ,के साथ बार बार बीमार होना ,खेलने में जल्दी थक जाना ,पढ़ाई में मन नहीं लगना ,पढ़ाई करने से याद नहीं हो पाना अर्थात बच्चे शारीरिक रूप से स्वस्थ नहीं रहता जिसका प्रभाव स्कूल पर पड़ता है बच्चे चंचल रहे पढ़ाई में अच्छे हो ,खेलकूद में अच्छे हो स्वस्थ रहे इसके लिए शासन ने व्यवस्था बनाई है जैसे 6 माह से 5 वर्ष के बच्चों (ये बच्चे आंगनवाड़ी केंद्रों के होते है) के लिए आयरन की सिरप की व्यवस्था है जिसे हर 6 माह में एक एक सिरप हर बच्चे को दी जाती है बच्चे के पालक के माध्यम से प्रति सप्ताह मंगलवार और शुक्रवार के दिन एक एक द्वद्य आयरन सिरप की पिलाई जानी ह।

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल की संवेदनशीलता: श्रीरामपुर के किसानों की तकनीकी समस्या का हुआ त्वरित समाधान

विधायक डॉ. संपत अग्रवाल ने धान खरीदी में आ रही बाधाओं को किया दूर, किसानों ने जताया विधायक का आभार

पिथौरा(समय दर्शन)। बसना विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक डॉ. संपत अग्रवाल की त्वरित कार्यप्रणाली और किसान हितैषी दृष्टिकोण के चलते वन ग्राम श्रीरामपुर के किसानों की एक बड़ी समस्या का समाधान हो गया है। धान खरीदी केंद्र में पिछले कुछ समय से आ रही तकनीकी बाधाओं के दूर होने पर क्षेत्र के किसानों ने विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उनका हृदय से आभार माना है।

विदित हो कि श्रीरामपुर के किसान धान खरीदी पोर्टल, ऑनलाइन टोकन एंट्री और सर्वर से संबंधित तकनीकी जटिलताओं के कारण अपना धान बेचने में असमर्थ थे।

इस समस्या से धान विक्रय की पूरी प्रक्रिया बाधित हो रही थी और किसानों में भारी चिंता व्याप्त थी। जैसे ही यह मामला विधायक डॉ. संपत अग्रवाल के संज्ञान में आया, उन्होंने इसे प्राथमिकता पर लेते हुए तत्काल अपने निज सचिव नरेंद्र बोरे को संबंधित विभागों से समन्वय कर निराकरण के निर्देश दिए।

विधायक डॉ संपत अग्रवाल के स्पष्ट निर्देशों के बाद उनके निज सचिव नरेंद्र बोरे ने तत्काल खाद्य विभाग, सहकारी समिति और तकनीकी अमले से संपर्क साधा। विशेष बात यह रही कि निज सचिव नरेंद्र बोरे ने देर रात किसानों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना और उन्हें आश्वस्त किया कि विधायक जी के निर्देशानुसार उनकी समस्या का समाधान प्राथमिकता से किया जा रहा है।

प्रशासनिक और तकनीकी टीम की सक्रियता से पोर्टल की त्रुटियों को सुधारा गया, प्रविष्टियों को अपडेट किया गया और तौल प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया गया। इस त्वरित कार्रवाई के बाद अब किसान बिना किसी परेशानी के अपना धान बेच पा रहे हैं।

वन ग्राम श्रीरामपुर के किसानों ने सामूहिक रूप से विधायक डॉ. संपत अग्रवाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विधायक जी हमेशा किसानों की समस्याओं के प्रति संवेदनशील रहते हैं। यदि समय पर हस्तक्षेप नहीं होता, तो हमें भारी आर्थिक क्षति उठानी पड़ती। डॉ. संपत अग्रवाल के नेतृत्व में हमें सदैव संरक्षण और सहयोग प्राप्त होता है।

पटवारी के अड़ियल रवैया से ग्रामीण परेशान

जांजगीर चांपा (समय दर्शन)। बम्हनीडीह तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत तालदेवरी के पटवारी हल्का नम्बर 10 मे पदस्थ पटवारी अंजली गबेल के अड़ियल रवैया से ग्रामीण इन दिनों परेशान है, वजह यह है कि पटवारी किसानों का काम करने के बजाय कई माह से घुमा रही है ,एक किसान ने पटवारी से परेशान होकर चांपा एसडीएम से शिकायत भी किया है और किसान ने कार्रवाई की मांग भी किया है , शिकायत के अनुसार किसान सुरेंद्र कुमार बंजारे ने बताया कि उसने कृषि भूमि को परिवर्तित नहीं कर रही है जिसके लिए कई बार पटवारी के पास गया मगर पटवारी द्वारा किसान का काम नहीं किया जा रहा है बल्कि किसान को कई महीनों से घुमाए जा रहे हैं , जिससे किसान तंग आकर शिकायत किया है। इतना ही नहीं ग्रामीणों ने यह बताया की पटवारी कार्यालय से हमेशा नदारद भी रहती हैं जिसके कारण ग्रामीणों को राजस्व विभाग से संबंधित कार्य कराने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि जब से उक्त पटवारी हल्का में पदस्थ हुए हैं नियमित रूप से कार्यालय में नहीं आ रहे हैं जब कोई काम लेकर जाते है तो पटवारी नदारत रहते। ग्रामीणों की शिकायत है कि घंटों इंतजार में ही आधा दिन गुजर जाता है पर मुलाकात नहीं हो पाती। पटवारी को हमेशा कार्यालय में बैठने का आदेश है मगर नियमों की पटवारी धज्जियां उड़ा रही है और पटवारी की मनमानी से यह व्यवस्था कारगर साबित नहीं हो पा रही है। पटवारी कब आते कब चले जाते लोगों को पता ही नहीं चल पाता। ग्रामीण राज्य और जिला प्रशासन कि इस लचर व्यवस्था से खासे प्रभावित हैं। बताया गया संबंधित विभागीय अधिकारियों को इस मामले से अवगत भी कराया गया है पर व्यवस्था में कोई सुधार नहीं हो रहा। लोगों के कामकाज शासन द्वारा निर्धारित तय सीमा में नहीं हो पा रहे हैं ।पटवारी के गांव न आने की वजह से आय,जाति,फौती नामांतरण,पीएम किसान निधि सम्मान योजना जैसे अनेक कार्य प्रभावित हो रहे हैं ।छोटे-छोटे काम के लिए किसानों को तहसील कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है ।ग्रामीणों की शिकायत यह भी है कि पटवारी फोन भी नहीं उठाते ।पटवारी के मनमानी से ग्रामीणों में खासा रोष व्याप्त है।

बिना चढ़ावा के पटवारी के पास नहीं होता काम

ग्रामीणों का आरोप है की पटवारी बिना चढ़ावा के कोई काम नहीं करती।

शिकायत कर्ता ने बताया की उसके कृषि भूमि को परिवर्तित नहीं कर रही है जिसके वजय से डायवर्सन का काम नहीं हो पा रहा है जिसकी शिकायत चापा एसडीएम को किया गया है।

पटवारी द्वारा कृषि भूमि को परिवर्तित नहीं किया जा रहा था जिसको मेरे द्वारा डाट फटकार कर करवाया गया.
पवन कोसमा
राजस्व अनुविभागीय अधिकारी
चांपा.

पदुमतरा में श्रीमद्भागवत कथा का समापन, हजारों श्रद्धालुओं ने लिया रसपान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। जिले के ग्राम पदुमतरा में आयोजित श्रीमद्भागवत ज्ञान सप्ताह का समापन बड़े धूमधाम से हुआ। सातवें दिन श्रद्धा, भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। कथा स्थल पर स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ आसपास के गांवों से भी हजारों श्रद्धालु कथा श्रवण के लिए पहुंचे। सुबह से ही कथा पंडाल भक्तिमय वातावरण में गूंज उठा, जहां हरि नाम के संकीर्तन और भजन-कीर्तन से माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

आयोजन में महिलाओंए पुरुषों, युवाओं और बुजुर्गों की समान सहभागिता ने इस धार्मिक उत्सव को और भी भव्य बना दिया। श्रद्धालु पूरे मनोयोग से कथा का श्रवण करते हुए भावविभोर हो गए। इस आयोजन में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध कथा वाचक पं. युवराज पांडे जी ने श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा का विस्तार से वर्णन किया।

उन्होंने रुक्मणी विवाह के प्रसंग को सरल और भावनात्मक तरीके से समझाया, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण ने रुक्मणी जी के प्रेम और भक्ति से प्रसन्न होकर उनका हरण कर विवाह किया। इस प्रसंग से यह संदेश मिला कि सच्चा प्रेम और निष्काम भक्ति हमेशा विजय प्राप्त करती है।

इसके बाद पं. पांडे जी ने भगवान श्रीकृष्ण द्वारा उद्धव जी को गोपियों की निष्काम भक्ति को समझाने का प्रसंग सुनाया। उन्होंने कहा कि गोपियों की भक्ति इतनी निर्मल थी कि श्रीकृष्ण ने उसे सर्वोच्च माना।

कथा के दौरान सुदामा चरित्र का मार्मिक वर्णन भी किया गया। पं. पांडे जी ने बताया कि सुदामा जी की दरिद्रता और उनकी निष्काम भक्ति से प्रसन्न होकर भगवान श्रीकृष्ण ने उन्हें अपार धन और सुख दिया, यह बताता है कि भगवान अपने भक्तों के भावनाओं को देखते हैं, न कि उनके बाहरी साधनों को।

कथा का समापन परीक्षित मोक्ष के प्रसंग से हुआ, जिसके बाद पं. पांडे जी ने गीता का उपदेश देते हुए श्रीमद्भागवत महापुराण का समापन किया। उन्होंने कुरूक्षेत्र के युद्ध के दौरान अर्जुन को भगवान श्रीकृष्ण द्वारा दिए गए गीता उपदेश की महिमा का भी विस्तार से वर्णन किया।

कथा के अंत में श्रद्धालुओं ने आरती और भजन-कीर्तन में भाग लिया। आयोजन समिति और ग्रामवासियों ने इस सफल आयोजन पर संतोष व्यक्त करते हुए आगामी दिनों में और अधिक श्रद्धालुओं के आने की संभावना जताई।

श्री राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष ओमप्रकाश साहू ने इस विराट आयोजन में सहभागिता निभाने वाले श्री राम मंदिर ट्रस्ट समिति, महिला मंडल भागवत समिति, और सभी ग्रामवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के सफलतापूर्वक संपन्न होने में समाजसेवी जनप्रतिनिधियों का विशेष योगदान रहा।

इस दौरान पूर्व विधायक भुनेश्वर बघेल, भाजपा जिलाध्यक्ष कोमल सिंह राजपूत, जिला पंचायत सभापति शीला सिन्हा, जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख, पूर्व जिला पंचायत सदस्य पुष्पा वर्मा, जनपद सभापति साकेत वैष्णव, जनपद सदस्य ललिता मोहन साहू, दिगेंद्र सिन्हा, सरपंच हिना घनश्याम साहू, राकेश साहू, पवन महोबिया सहित समाजसेवी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत केंद्रीय टीम का व्यापक निरीक्षण

दुर्ग (समय दर्शन)। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान की तैयारियों के क्रम में कार्यालय डीडीजी (टीबी), सेंट्रल टीबी डिवीजन के निर्देशानुसार केंद्रीय टीम द्वारा दुर्ग जिले का दौरा किया गया। इस दौरान डीडीजी (टीबी) डॉ. शोबिनी राजन, तथा टीबी ऑफिसर डॉ. भवानी सिंह कुशवाहा सेंट्रल टीबी डिवीजन स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों का भ्रमण किया गया।

केंद्रीय टीम ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर अमलेश्वर (विकासखंड पाटन), सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झीट, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन तथा ए.आर.टी. सेंटर दुर्ग का निरीक्षण किया। आयुष्मान आरोग्य मंदिर अमलेश्वर में भ्रमण के दौरान सीएचओ एवं मितानिनों के पास उपलब्ध अति जोखिम जनसंख्या की सूची, टीबी ट्रीटमेंट कार्ड तथा एक्स-रे जांच हेतु रिफर रजिस्टर का अवलोकन किया गया। साथ ही उपस्थित मितानिनों से टीबी कार्यक्रम की जानकारी ली गई एवं वहां मौजूद दो टीबी मरीजों का साक्षात्कार कर उन्हें टीबी के प्रति जागरूक किया गया। इसके पश्चात टीम द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झीट का निरीक्षण किया गया, जहां ह्रझ्र सेंटर का अवलोकन करते हुए टीबी नोटिफिकेशन रजिस्टर, लैब रजिस्टर, ह्रझ्र टेस्ट रजिस्टर, कल्चर डीएसटी रजिस्टर एवं ट्रीटमेंट कार्ड की जांच की गई। इसके साथ ही एक पल्मोनरी टीबी मरीज का होम विजिट कर उनके द्वारा ली जा रही दवाइयों की जानकारी ली गई तथा उचित परामर्श प्रदान किया गया। टीम ने ग्राम पंचायत चीचा का भी भ्रमण किया, जहां सरपंच से मुलाकात कर टीबी फ्री ग्राम पंचायत से संबंधित जानकारी प्राप्त की गई। इसके बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाटन में मितानिनों से टीबी कार्यक्रम पर चर्चा की गई तथा पांच टीबी मरीजों को पोषण आहार प्रदान किया गया।

ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में करियर ब्लूम स्कूल कनेक्ट द्वारा विशेष कार्यशाला का आयोजन

जांजगीर (समय दर्शन)। ब्रिलियंट पब्लिक स्कूल, बनारी, जांजगीर में संस्था संचालक श्री आलोक अग्रवाल, डॉ. गिरिराज गढ़ेवाल एवं प्राचार्या श्रीमती सोनाली सिंह जी के निर्देशन में दिनांक- 09 जनवरी 2026 को छात्रों के उज्ज्वल भविष्य को नई दिशा देने के उद्देश्य से श्करियर ब्लूम स्कूल कनेक्टश् कार्यक्रम के तहत एक भव्य करियर काउंसलिंग सत्र का आयोजन किया गया।

सुबह 10:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक चले इस दो घंटे के सत्र में कक्षा 11वीं और 12वीं के सैकड़ों विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इस कार्यशाला में जांजगीर जिले के अन्य स्कूली विद्यार्थी भी प्रतिभागी बनें। इस सेमीनार का मुख्य उद्देश्य बोर्ड परीक्षा के बाद छात्रों के मन में करियर को लेकर उठने वाली शंकाओं को दूर करना और उन्हें वर्ष 2026 के उभरते क्षेत्रों से परिचित कराना था। इस कार्यक्रम में विभिन्न संस्थाओं के कांउसलर के रूप में मैंट्स यूनिवर्सिटी से श्री घनश्याम एवं श्री श्रीकांत, अंजनेया यूनिवर्सिटी से श्री अंकित शुक्ला एवं श्री कार्तिक पंडा, के.के. मोदी यूनिवर्सिटी से श्री धनसाय कुर्रे, जूम अब्रॉड से श्री कार्तिक राव एवं श्री अभिषेक, करियर ब्लूम से श्री शोभित श्रीवास्तव जी रहे। साथ ही अघोर विद्या पीठ, अकलतरा से शिक्षक के रूप में श्री अँचल तिवारी एवं पूनम साहू जी उपस्थित रहे। विद्यालय की प्राचार्या और वरिष्ठ शिक्षकों ने 'करियर ब्लूम' की टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया।

मुख्य वक्ता के रूप में आए करियर विशेषज्ञों ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि 12वीं के बाद का समय जीवन का सबसे निर्णायक मोड़ होता है। सही समय पर सही जानकारी ही सफलता की कुंजी है।

विशेषज्ञों ने जोर देकर कहा कि पारंपरिक करियर विकल्पों जैसे इंजीनियरिंग और मेडिकल के अलावा अब दुनिया आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, साइबर सिक्योरिटी और क्रिएटिव डिजाइन की ओर तेजी से बढ़ रही है। कार्यशाला के दौरान विशेषज्ञों ने छात्रों को निम्नलिखित प्रमुख क्षेत्रों की जानकारी दी।

तकनीकी क्षेत्र 2026 के जॉब मार्केट में ।प् इंजीनियर, क्लाउड कंप्यूटिंग और ब्लॉकचेन विशेषज्ञों की बढ़ती मांग पर चर्चा की गई। मैनेजमेंट और कॉमर्स- डिजिटल मार्केटिंग, ई-कॉमर्स और फिनटेक में उपलब्ध अवसरों के बारे में बताया गया। कला और डिजाइन- डिजिटल मीडिया, यूआई/यूएक्स डिजाइन और गेम डेवलपमेंट को एक उभरते करियर के रूप में प्रस्तुत किया गया। स्किल आधारित कोर्स- छात्रों को बताया गया कि डिग्री के साथ-साथ विशेष कौशल विकसित करना कितना अनिवार्य हो गया है। सत्र का दूसरा भाग प्रश्न-उत्तर के नाम रहा, जहाँ छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ अपनी शंकाएँ विशेषज्ञों के सामने रखीं। कई छात्रों ने **CUET**, **JEE** और **NEET** जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ-साथ बैकअप करियर विकल्प रखने के बारे में सवाल पूछे।

विशेषज्ञों ने छात्रों को 'साइकोमेट्रिक टेस्ट' के महत्व के बारे में भी बताया, जिससे छात्र अपनी रुचि और क्षमताओं के अनुसार सही विषय का चुनाव कर सकें। उन्होंने सलाह दी कि छात्रों को भेड़चाल में शामिल होने के बजाय अपनी व्यक्तिगत प्रतिभा को पहचानना चाहिए। करियर काउंसलिंग केवल नौकरी पाने का रास्ता नहीं है, बल्कि यह अपने आप को पहचानने की प्रक्रिया है। ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल के छात्र भविष्य की चुनौतियों के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं। ब्रिलिएंट पब्लिक स्कूल की प्राचार्या एवं संस्था संचालकों द्वारा इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय का लक्ष्य केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता नहीं, बल्कि छात्रों का सर्वांगीण विकास है। इस तरह के कार्यक्रमों से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के छात्रों को वैश्विक स्तर की जानकारी प्राप्त होती है, जो उनके आत्मविश्वास को बढ़ाती है। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ। 'करियर ब्लूम स्कूल कनेक्ट' का यह प्रयास जांजगीर के छात्रों के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा। छात्रों ने फीडबैक में बताया कि इस सत्र से उन्हें न केवल नए कोर्सेज की जानकारी मिली, बल्कि परीक्षा के तनाव को कम करने के तरीके भी सीखने को मिले।

किसान कांग्रेस कवर्धा ने ज़िला विपणन अधिकारी को चूहे पकड़ने का पिंजरा देने पहुंचे

अधिकारी ने कहा था- 22000 क्विंटल धान चूहे खा गए

सात करोड़ का धान बाज़ार चारभाठा धान संग्रहण केंद्र से ग़ायब, तत्कालीन प्रभारी पर एफ्आईआर की मांग

कवर्धा (समय दर्शन)। धान का कटोरा कहे जाने वाले छत्तीसगढ़ में अब करोड़ों रुपए के धान चूहे खाने लगे हैं। मामला कवर्धा ज़िले के बाज़ार चारभाठा धान संग्रहन केंद्र का है जहां पिछले सत्र 2024/25 में धान स्टॉक किया गया था, जिसका पूर्ण रूप से उठाव होने के बाद लगभग 22000 क्विंटल कीमती लगभग 7 करोड़ रुपए से अधिक का धान कम पाया गया है। धान सॉर्टेज का मामला सार्वजनिक होने के बाद ज़िला विपड़न अधिकारी का कहना है कि धान को चूहे दीमक कीड़े खा गए इसलिए धान की मात्रा कम हो गई है।

ज़िला विपणन अधिकारी द्वारा 7 करोड़ रुपए मूल्य के धान को चूहे दीमक खा गए, बयान के बाद किसान कांग्रेस के पदाधिकारी कार्यकर्ता डीएमओ कार्यालय का घेराव करते हुए चूहे पकड़ने का पिंजड़ा सौंपने कार्यालय पहुँचे। यहां पुलिस और कांग्रेसी कार्यकर्ताओं में काफ़ी झूमा झटकी के बाद पिंजड़ा और ज्ञापन सौंपा गया। किसान कांग्रेस ज़िला अध्यक्ष रवि चन्द्रवंशी ने कहा कि भाजपा की सरकार में घोटाले होना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले बड़े बड़े घोटाले हुए, जिसमें पनामा घोटाला, नान घोटाला जगज़ाहिर है। किंतु आज जिस प्रकार हमारे गृहमंत्री विजय शर्मा के गृह ज़िले कवर्धा में और पंडरिया विधायक भावना बोहरा के क्षेत्र बाज़ार चारभाठा धान संग्रहण केंद्र पर 22000 क्विंटल धान कम पाया जा रहा है और इनके अधिकारियों द्वारा 7 करोड़ के धान को चूहे व दीमक खाने की बात कहना भ्रष्टाचार का स्पष्ट संदेश है।

किसान जिलाध्यक्ष श्री चन्द्रवंशी ने बताया कि बुधवार को ज़िला विपणन अधिकारी को चूहे पकड़ने की जाली के साथ ही राज्यपाल के नाम से ज्ञापन भी सौंपा गया है। ज्ञापन के माध्यम से हमने माँग की है कि बाज़ार चारभाठा धान संग्रहण केंद्र में एसआईटी जाँच कराइ जाए व तत्कालीन प्रभारी के ऊपर तत्काल एफ्आईआर दर्ज कर राशि वसूली की कार्यवाही की जाए।

ज़िला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नवीन जायसवाल ने कहा कि भाजपा सरकार में अधिकारियों को भ्रष्टाचार की खुली छूट मिल जाती है। जिस कारण से हमारे भोले भाले जनता को ठगने का काम इन अधिकारियों द्वारा किया जा रहा है। आज जो कथित रूप से चूहे द्वारा धान खा गए कहकर अधिकारियों को बचाने का काम भाजपा सरकार कर रही है अति निंदनीय है।

संक्षिप्त-खबर

तीन वर्ष की बच्ची से छेड़छाड़, आरोपी को 20 वर्ष की सजा सुनाई, अपर सत्र न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने आरोपी को 20 वर्ष की सजा सुनाई

पाटन (समय दर्शन)। रानीतराई थाना क्षेत्र के एक गांव में तीन वर्ष की बच्ची से छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को अपर सत्र न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने 20 वर्ष की सजा तथा 5 हजार रुपए अर्थ दंड को सजा सुनाई है। शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक शेखर वर्मा ने पैरवी की।

जानकारी के मुताबिक पीड़ित बच्ची की मां ने रानी तराई थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसके तीन वर्ष की बच्ची अपने भाई के साथ गांव के आंगन बाड़ी केंद्र है थी। वे काम करने चली गई थी। जब दोपहर को वे घर पहुंची तो बच्चों रोने लगी और वे ठीक से चल नहीं पा रही थी। बच्ची के भाई ने अपने मां को बताया कि जब वे आंगनबाड़ी से वापस अपने बड़े पापा के घर जा रहा था तभी रास्ते में आरोपी कौशल महार उर्फकोंदा ने बच्ची का हाथ पकड़कर गली में ले गया और इसके गुप्तांग से छेड़छाड़ किया। पुलिस ने आरोपी कौशल को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। जहां से न्यायालय ने आरोप सिद्ध होने पर आरोपी को 20 साल की सजा और 5 हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनाई।

सुलोचनी कोसरिया महिला मजदूर कांग्रेस के पुनः अध्यक्ष बनाये गये

सांकरा (समय दर्शन)। प्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष फूलों देवी नेताम द्वारा महिला कांग्रेस मजदूर प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष कार्तिक सिंहभवाल भूवाल के अनुशंसा पर श्रीमती सुलोचनी देवी कोसरिया को जिला अध्यक्ष महिला कांग्रेस मजदूर प्रकोष्ठ महासमुंद के पद पर पुनः विश्वास जताते अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जिससे श्रीमती सुलोचनी देवी कोसरिया द्वारा प्रदेश अध्यक्ष महिला कांग्रेस मजदूर प्रकोष्ठ के प्रति आभार प्रकट करते संगठन के कार्य में गति लाने,ग्रामीण अंचलों में वंचित वर्गों के लिए कार्य करते हुए ,उनकी आवाज हाई कमान तक पहुंचाने की बात कही । श्रीमती सुलोचनी देवी कोसरिया के जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्ति से जिला महिला कांग्रेस, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पिथौरा ने शुभकामनाएं प्रेषित करते बधाई दिया है। बधाई शुभकामनाएं प्रेषित करने वाले में अनंत वर्मा पूर्व अध्यक्ष, अजय नन्द पूर्व विधायक प्रतिनिधि, राजा कोसरिया, मंगलू बीसी, राजेश बिसाल, चमेली रात्रे, श्रीमतीअनीता गुरुपंच,श्रीमती जानकी रातरे, गीता रतन बंजारे पूर्व सभापति जिला पंचायत, सुमन तरुवर कोसरिया, अनीता कोसारिया, रंजना कोसरिया, सिमरन, प्रिया हेमन्त कोसरिया, धरमसिंह बर्मन, रामप्यारे मधुकर, सहदेव ग्रीतलहरे, राजेन्द्र मार्कण्डेय महेंद्र सिंह,महिला प्रकोष्ठ ब्लॉक अध्यक्ष श्रीमती मंजू जांगड़े, रूपई बसंत, ने शुभकामनाएं प्रेषित किया है।

कलेक्टर के निर्देश पर अवैध धान खरीदी पर सख्त कार्रवाई, 84.65 सौ क्विंटल धान जब्त, अनुमानित कीमत लगभग 1.93 करोड़

बेमेतरा (समय दर्शन)। कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं के स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप जिले में खरीफविपणन वर्ष 2025द्26 के दौरान अवैध धान खरीदी, भंडारण एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई थोक व्यापारियों, धान प्रसंस्करणकर्ताओं (राइस मिलर्स), कोचियों, अन्य अवैध खरीदारों तथा अंतर्राज्यीय स्तर पर धान के अवैध आवागमन में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफप्रभावी रूप से जारी है। प्रशासन द्वारा गठित संयुक्त जांच दलों के माध्यम से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण, जांच एवं छापेमारी की जा रही है। इन कार्रवाइयों के तहत अब तक अवैध रूप से संग्रहित एवं परिवहन किए जा रहे कुल 21,171 बोरा (कट्टा) धान, जिसकी मात्रा लगभग 8,465 क्विंटल है, को जब्त किया जा चुका है। जब्त किए गए धान की अनुमानित बाजार कीमत 1 करोड़ 93 लाख 13 हजार 50 रुपये आंकी गई है।

अवैध धान परिवहन में प्रयुक्त वाहनों को भी जब्त किया गया है तथा संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। प्रकरणों में संलिप्त पाए गए थोक व्यापारियों, प्रसंस्करण इकाइयों एवं कोचियों पर आवश्यक वस्तु अधिनियम सहित अन्य प्रासंगिक कानूनों के अंतर्गत कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं ने स्पष्ट किया है कि शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की पारदर्शी व्यवस्था को प्रभावित करने वालों के खिलाफ किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

संकुल स्त्रोत केंद्र बड़ेटेमरी के सेवानिवृत्त व्याख्याता डॉ शरद कुमार प्रधान को दी विदाई

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखंड के संकुल केन्द्र बड़ेटेमरी में शासकीय हाई स्कूल बड़ेटेमरी के वरिष्ठ व्याख्याता डॉ शरद कुमार प्रधान को संकुल परिवार की तरफसे विदाई दी गई।

उनके विदाई समारोह में सर्वप्रथम मां सरस्वती की चित्र पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई। तत्पश्चात आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ शरद कुमार प्रधान को संकुल के सभी शिक्षकों द्वारा गुलाल लगाकर,पुष्पहार व पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया। इसके बाद विदाई समारोह को पीरित पटेल (प्रधान पाठक , पूर्व माध्यमिक शाला हबेकांटा)ने डॉ शरद कुमार प्रधान के साथ बिताए लम्हों को याद करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना किए।

संकुल नोडल प्राचार्य बेहरा सर ने सेवानिवृत हो रहे प्रधान सर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना किए। तत्पश्चात संकुल के व्याख्याता कौशिक सामल,पुरुषोत्तम साहू और ललित भार (प्रधान पाठक खवासपाली) ने भी विदाई समारोह को संबोधित किया। विदाई समारोह में उपस्थित सभी की आखें नम हो गई। इसके बाद सेवानिवृत हो रहे वरिष्ठ व्याख्याता डॉ शरद कुमार प्रधान ने अपने शिक्षकीय जीवन के अनुभव को साझा किए।तत्पश्चात संकुल समन्वयक वारिश कुमार ने प्रधान सर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अभिनंदन पत्र का वाचन किया। तत्पश्चात संकुल नोडल प्राचार्य बेहरा सर और संकुल समन्वयक वारिश कुमार द्वारा प्रधान सर को शाल और श्रीफ्ल, अभिनंदन पत्र, शैक्षणिक सेवा कार्यकाल पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। संकुल के तरफसे सभी शिक्षकों द्वारा उपहार भेंट किया गया। मंच का संचालन पुरुषोत्तम साहू(वरिष्ठ व्याख्याता, शासकीय हाई स्कूल बड़ेटेमरी) द्वारा किया गया। आभार प्रदर्शन संकुल समन्वयक वारिश कुमार ने किया। इसके बाद संकुल के सभी शिक्षक - शिक्षिकाओं ने डॉ शरद कुमार प्रधान को छोड़ने उनके निवास स्थान ग्राम - पलसापाली (अ) गए।

इस मौके पर संकुल बड़ेटेमरी के समस्त शिक्षक - शिक्षिकाए, प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं हाई स्कूल के छात्र - छात्राएं, समिति सदस्य और बड़ी संख्या मे ग्रामीणजन उपस्थित रहे। उक्त जानकारी संकुल समन्वयक वारिश कुमार ने दी है।

अनियंत्रित ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को मारी ठोकर, मौत

कवर्धा (समय दर्शन)। मिनी माता चौक से आगे ट्रांसपोर्ट नगर की सड़क एक बार फिर खून से लाल हो गई। शहर की ओर से जा रही एक अनियंत्रित ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार को ठोकर मार दी, जिससे घटना स्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया। वहीं गुस्साए परिजन और मोहल्ले वासियों ने रायपुर और जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चक्काजाम कर दिया। मोहल्ले वासियों के साथ कांग्रेस कार्यकर्ता भी आ गए और घटना स्थल के पास ही स्थित शराब दुकान को हटाने और मृतक के परिजनों को मुआवजा की मांग के साथ नारेबाजी करने लगे।

घटना स्थल और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार मृतक दिलीप पात्रे पिता समालिया पात्रे 58 वर्ष अपने किसी काम से जा रहा था, तभी पीछे से आ रही एक अनियंत्रित ट्रक ने उसे अपनी चपेट में लिया और फरार हो गया। मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति की सिर में गम्भीर चोट आने के कारण घटना स्थल पर ही उसकी मृत्यु हो गई। मृतक की पत्नी व अन्य परिजनों ने बताया कि घटना की सूचना मोहल्लेवासियों द्वारा मिली। तुरंत घटना स्थल पहुंचे और शव को देखते ही बदहवास सा होने लगे। कुछ लोगों की तबियत बहुत खराब हो गई। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। घटना के पीछे यहां स्थित शराब दुकान को माना जाता है। वहीं विपक्षी पार्टी कांग्रेस सहित मोहल्लेवासी भी कई बार शराब दुकान को हटाने के लिए लिखित आवेदन ही नहीं, बल्कि चक्काजाम के साथ विरोध प्रदर्शन भी कर चुके हैं, लेकिन शराब दुकान अभी तक अंगद के पैर की तरह वहीं जमा हुआ है और लोगों को असमय ही मौत की नींद सुला रही है। कांग्रेस शहर अध्यक्ष अशोक सिंह के साथ अनेक कांग्रेस कार्यकर्ता और मोहल्लेवासी रायपुर जबलपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में पहुंच गए और चक्काजाम कर दिया। इस दौरान जिला प्रशासन और स्थानीय नेतृत्व पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए बताया कि यह घटना कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी ऐसी घटनाएं बार बार हो रही है। राष्ट्रीय राजमार्ग 4- 5 घंटे तक जाम रहती हैं। सड़क के दोनों ओर ट्रकों व अन्य वाहनों की लंबी लंबी लाइने लग जाती है। लोग परेशान रहते हैं लेकिन जिला प्रशासन के कान में जूं तक नहीं रेंगती।

गणतंत्र दिवस पर जिले में शुष्क दिवस घोषित

दुर्ग (समय दर्शन)। आबकारी आयुक्त छत्तीसगढ़ रायपुर की कंडिका क्रमांक 22(1) में दिए गए निर्देशानुसार 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर जिले में शुष्क दिवस घोषित किया गया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह के आदेशानुसार 26 जनवरी 2026 गणतंत्र दिवस के अवसर पर दुर्ग जिले में स्थित समस्त देशी मंदिरा एवं विदेशी मंदिरा की फुटकर दुकानों, रेस्टोरेंट-बार, होटल-बार, क्लब आदि जैसे-एफएल.-1(घघ), एफएल.-1(घघ-कम्पोजिट), सी.एस.-2(घघ), सी.एस.-2(घघ-कम्पोजिट), सी.एस.-2(ग-अहाता), सी.एस.-2(ग-कम्पोजिट अहाता),एल.एल-1(ख-अहाता), एल.एल-1(ख-कम्पोजिट अहाता), एफएल 2(क), 3, 3(क,ग), 4, 4(क), 5,5 (क), 6, 7, 8, सी.एस.1, सी.एस. 1-ग, एफएल. 10 एवं भण्डारण भाण्डागार भिलाई शामिल है।

मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा, नैला-जांजगीर के स्थापना दिवस पर 30 दिवसीय सेवा कार्यक्रमों का हुआ शुभारंभ

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिले की सक्रिय सामाजिक संस्था मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा, नैलाङ्गजांजगीर ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर तीस दिवसीय सेवा एवं समाजकल्याण जनहित कार्यक्रमों का भव्य शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रथम सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत नहरिया बाबा के पास स्थित संजीवनी हॉस्पिटल में मरीजों की सुविधा हेतु व्हील चेयर भेंट की गई तथा मरीजों को फ्ल वितरण कर मानवीय संवेदना का परिचय दिया गया।

डॉ लोकेंद्र कश्यप एवं स्टॉप डॉक्टरों का सम्मान की

कार्यक्रम के दौरान हॉस्पिटल के डॉ. लोकेंद्र कश्यप एवं वहां कार्यरत डॉक्टरों एवं स्टाफका सम्मान भी किया गया। यह पहल न केवल मरीजों के लिए सहायक सिद्ध हुई, बल्कि समाज में सेवा और सहयोग की भावना को भी सशक्त रूप से प्रस्तुत करती है।

मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम

मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम, मंच की उस निरंतर सेवा श्रृंखला का हिस्सा है, जिसके माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्गों तक सहायता पहुंचाई जाती है। यह आयोजन राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (जोनङ्ग4) अमर सुल्तानिया के मार्गदर्शन एवं प्रदेश अध्यक्ष प्रशांत गांधी के निर्देशानुसार संपन्न हुआ।

इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष श्रीमती पूनम अग्रवाल ने कहा कि हर व्यक्ति को अपने स्तर पर छोटे-छोटे प्रयास करने चाहिए। जब ऐसे प्रयास सामूहिक रूप लेते हैं, तो समाज में सकारात्मक और स्थायी परिवर्तन संभव हो पाता है।

उन्होंने आगे बताया कि जागृति शाखा आगामी 30 दिनों तक स्वास्थ्य, सेवा, सामाजिक जागरूकता और जनहित से जुड़े विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करेगी।

इस कार्यक्रम में शाखा की प्रांतीय निर्देशक श्रीमतीसुनीता मोदी श्रीमती पूनम अग्रवाल, श्रीमतिकल्याड़ी भोपालपुरिया श्रीमती राधा अग्रवाल, श्रीमती ज्योति अग्रवाल, श्रीमती काजल अग्रवाम श्रीमती प्रिया सोनी, श्रीमतीपिंकी शर्मा सहित अनेक सक्रिय सदस्यगण उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस पर इस प्रकार का सेवा भावपूर्ण आयोजन, मारवाड़ी युवा मंच जागृति शाखा की सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह संस्था निरंतर समाजहित, जनहित और मानवीय मूल्यों को केंद्र में रखकर कार्य कर रही है, जो निश्चित रूप से अन्य संगठनों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। समाज सेवा की मिसाल, जागृति शाखा का यही संकल्प है।

जन चौपाल के माध्यम से बंद किए जा रहे मनरेगा योजना ग्रामीणों तक पहुँचाई

कवर्धा (समय दर्शन)। पंडरिया ब्लॉक के ग्राम खैरडोंगरी में जन चौपाल का आयोजन कर ग्रामीणों को बंद हो रही मनरेगा योजना की जानकारी दी गई। जन चौपाल के माध्यम से गांव के गरीब मजदूरों, किसानों एवं आम वर्ग के लोगों को मनरेगा योजना से जोड़ने का कार्य किया गया।

चौपाल में उपस्थित ग्रामीणों को मनरेगा के तहत मिलने वाले रोजगार, मजदूरी, पात्रता एवं कार्य प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई। लंबे समय से योजना का फायदा मजदूरों को मिल रहा था जो लोग इससे वंचित न रह जाए, उन्हें पुनः जागरूक किया गया।

इस अवसर पर मनरेगा प्रभारी एवं पूर्व उपाध्यक्ष कृषि उपज मंडी कवर्धा चोवा राम साहू ने कहा कि सरकार की मंशा है कि मनरेगा योजना का लाभ हर जरूरतमंद मजदूर, किसान और आम नागरिकों तक पहुँचे। लेकिन केंद्र की मोदी सरकार मनरेगा को बंद कर मजदूरों के अधिकार को खत्म कर रही है।

कांग्रेस पार्टी आगे भी इसी तरह जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को भाजपा के दोहरे चरित्र को उजागर करेगी। कार्यक्रम में डोमन मरकाम मंडल अध्यक्ष कांग्रेस कमेटी छीरपानी/दुल्लापुर घनश्याम साहू जिला महामंत्री जिला कांग्रेस, शरद बांगली पूर्व उपाध्यक्ष जनपद पंचायत सहस. लोहारा, ललित धुर्वे मंडल अध्यक्ष कुई कुकदूर, बाबूलाल साहू ब्लॉक महामंत्री पंडरिया, कलेश साहू सेक्टर प्रभारी छीरपानी, कन्हैया यादव सेक्टर प्रभारी दुल्लापुर, जीवन सिंह राठौर पूर्व जनपद सदस्य, योगेंद्र साहू मीडिया प्रभारी जिला कांग्रेस, कमलेश निर्मलकर (युवा नेता) उदित सिंह, उदय साहू, संजय श्याम मीडिया प्रभारी मंडल दुल्लापुर, राजकुमार मरावी, चंद्रशेखर साहू, होरीलाल जायसवाल, संतोष साहू, मुन्ना जायसवाल, दुर्योधन मरकाम, राजेश मरकाम, श्यामलाल निषाद, मुकेश साहू, रूपेंद्र साहू, राधे साहू, गेंदलाल पोर्ते, तीतरा चेचाम, सुरेश एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद रहे।

नवीन बाजार में अतिक्रमण पर नगर पालिका का बुलडोज़र एक्शन

शहरी क्षेत्र में अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं- चंद्रप्रकाश

कवर्धा (समय दर्शन)। नवीन बाजार में गुरूतेग बहादुर चौक से लेकर रेवाबंद मार्ग, विंध्यवासिनी मार्ग तक व्यवसाय कर रहे व्यवसायियों द्वारा सड़क में अतिरिक्त बांस बल्ली लगाकर व्यवसाय किया जा रहा था, जिससे आवागमन के साथ-साथ यातायात बाधित हो रहा था। लगातार आ रही शिकायतों को ध्यान में रखते हुए 8 जनवरी गुरुवार को नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, उपाध्यक्ष पवन जायसवाल सहित सभापति, पार्षदगणों ने नगर पालिका अधिकारी, मानव बल के साथ अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने की कार्यवाही की।

अतिक्रमण कार्यवाही के लिए नगर पालिका द्वारा ट्रैक्टर वाहन, जेसीबी वाहन, मानव बल सहित क्रेन के माध्यम से अतिक्रमण हटाने कार्यवाही की गई एवं कार्यवाही में अवैध ठेलों की जब्ती बनाया गया। बांस बल्ली से सड़क पर व्यवसाय कर रहे लोगों को हटाया गया। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी, नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, सभापति एवं पार्षदगणों की उपस्थिति एवं नगर पालिका अमला, पुलिस प्रशासन ने संयुक्त रूप से अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान सड़क पर अवैध रूप से लगाए गए ठेलों की जब्ती बनाई गई तथा बांस-बल्ली के सहारे सड़क पर कब्जा कर व्यवसाय कर रहे अतिक्रमणकारियों को तत्काल हटाया गया।

यातायात व्यवस्था में होगा सुधार

नवीन बाजार क्षेत्र अंतर्गत गुरूतेग बहादुर चौक से लेकर रेवाबंद मार्ग एवं विंध्यवासिनी मार्ग तक लगातार हो रहे अतिक्रमण से यातायात प्रभावित हो रहा था साथ ही लोगों द्वारा अनाप-शनाप अवैध ठेलों को रखकर अवैध किराया वसूली भी किया जा रहा था कुछ व्यवसायियों द्वारा बांस-बल्ली लगाकर तथा सड़क पर अवैध ठेले रखकर खुलेआम अतिक्रमण कर व्यवसाय किया जा रहा था। इससे आम नागरिकों का पैदल एवं वाहन आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा था और यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमराई गई थी। लगातार मिल रही शिकायतों के बाद नगर पालिका प्रशासन व पुलिस प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाते हुए निर्णायक कार्रवाई की।

नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने सख्त लहजे में कहा कि शहर की सड़कों पर अवैध कब्जा कर व्यापार करना नियम कानून का सीधा उल्लंघन है। उन्होनें अपील की सड़को पर अवैध रूप से ठेला ना रखे एवं व्यवसाय के दौरान अपने दुकान के सामने अनावश्यक रूप से बांस, बल्ली तानकर सड़क को बाधित ना करें। भविष्य में यदि किसी ने दोबारा अतिक्रमण किया तो जुर्माना, सामग्री जब्ती और कड़ी वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अतिक्रमण के खिलाफ चल रहे कार्यवाही के समय उपस्थित टीम ने स्पष्ट किया कि सार्वजनिक सड़कों को निजी व्यापार का साधन बनाने वालों के खिलाफअब कोई नरमी नहीं बरती जाएगी। यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

निधन : रामचरण केवट

बिर्रा गतवा। ग्राम गतवा (बिर्रा)के प्रतिष्ठित नागरिक रामचरण केवट उम्र (40 वर्ष) का निधन हो गया है।वे कुछ समय से अस्वस्थ थे।उनका अंतिम संस्कार स्थानीय महानदी तट स्थित गतवा मुक्तिधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में स्वजातीय बंधु सहित बड़ी संख्या ग्रामीण शामिल हुए।वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गए।वे शासकीय प्राथमिक साला गतवा मे स्विपर के कार्य मे पदस्थ थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26